	विशेषताएँ; तन्तुओ की विशेषताएँ, तन्तुओं एवं वस्त्रों की देखभाल एवं रख–रखाव। वस्त्र धोने में प्रयुक्त उपकरण, रोजमर्रा देखभाल में प्रयुक्त अभिकर्मक एवं परिसज्जा कमर्क; बुनाई की कला, सिलाई व कढ़ाई में प्रयुक्त मूल टाँके, वस्त्रों की साज–सज्जा, ताना व बाना। विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।

नोटः– एचटीईटी स्तर–II (टीजीटी) के लिए प्रश्नों का कठिनाई स्तर वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के मानक तक होगा।

विषयः– लेवल–II (टीजीटी) के लिए प्रश्न हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 6 से 10वीं के निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे।

स्तर–III

भाग–1 बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के लिए पाठ्यक्रम	
A	विकास की अवधारणा एवं सीखने के साथ इसका संबंध, बच्चों के विकास सिद्धांत, पर्यावरण एवं आनुवांशिकता का प्रभाव। समाजीकरण की प्रक्रियाः बच्चे एवं सामाजिक दुनिया (शिक्षक, अभिभावक, समक लोग)। पियाजे, कोहलबर्ग और वायगात्स्की : निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य। फ्रायड का मनोलैंगिक विकास का सिद्धांत, एरिकसन का मनोसामाजिक विकास सिद्धांत। बाल केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा, बुद्धि, भाषा एवं चिन्त सामाजिक संरचना के रूप में लिंग, लिंग भूमिका, लिंग–विभेद एवं शैक्षिक व्यवह अधिगमकर्ताओं में वैयक्तिक भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय धर्म आदि विविधता आधारित विभिन्नताओं को समझना। अधिगम का आकलन और अधिगम के लिए आकलन में भेद, विद्यालय आधारि आकलन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : परिप्रेक्ष्य एवं अभ्यास। अधिगमकर्ता के तत्परता स्तर के आकलन के लिए कक्षा में आलोचनात्मक चिन्त और अधिगम बढ़ाने के लिए एवं अधिगमकर्ता की उपलब्धि के आकलन के लि उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।
B	समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को समझना : वंचित सहित विविध पृष्ठभूमि वाले अधिगमकर्ताओं का सम्बोधन। सीखने में कठिनाई, क्षति आदि वाले बच्चों की आवश्यकताओं का सम्बोधन प्रतिभावान, रचनात्मक, विशेष रूप से सक्षम अधिगमकर्ताओं को सम्बोधित करना। **अधिगम एवं शिक्षाशास्त्र :** बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, क्यों और कैसे बच्चे विद्यालय प्रदर्शन में सफल प्राप्त करने में "असफल" होते हैं। शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं, बच्चों की सीखने की अभिविधि, ए सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम, अधिगम का सामाजिक संदर्भ। एक समस्या–समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक।

	बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पनाएं, बच्चों की ''त्रुटियों'' को अधिगम प्रक्रि में महत्वपूर्ण सोपान के रूप में समझना। संज्ञान एवं भावनाएं अभिप्रेरणा एवं अधिगम अधिगम में योगदान करने वाले कारक – व्यक्तिगत एवं पर्यावरणीय। बंदूरा का सामाजिक अधिगम : निर्माण एवं आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य।

भाग–II भाषा का पाठ्यक्रम	
A	<u>भाषा–I (हिन्दी)</u> <u>भाषा बोध प्रश्नः</u> अपठित गद्यांश/पद्यांश– बोध, अनुमान, व्याकरण और शाब्दिक योग्यता पर आधारित प्रश्नों वाले दो लेखांश एक गद्य पर और एक पद्य पर आधारित (गद्यांश साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक या तार्किक हो सकता है) <u>भाषा विकास प्रश्नों का शिक्षा–शास्त्रः</u> सीखना और अधिग्रहण, भाषा शिक्षण के सिद्धांत, सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य और बच्चे इसे एक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग करते हैं, मौखिक और लिखित रूप में विचारों को संप्रेषित करने के लिए भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका पर आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य, एक विविध कक्षा में भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ; भाषा को कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार, भाषा कौशल <u>भाषा बोध और दक्षता मूल्यांकनः बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना</u> शिक्षण– अधिगम सामग्रीः पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा के बहुभाषी संसाधन, उपचारात्मक शिक्षण ।
B	**Language – II (English)** **Language Comprehension Questions:** Two unseen prose passages (discursive or literary or narrative or scientific) with question on comprehension, grammar and verbal ability. **Pedagogy of Language Development:** Learning and acquisition, Principles of language Teaching, Role of listening and speaking; function of language and how children use it as a tool, Critical perspective on the role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form; Challenges of teaching language in a diverse classroom; language difficulties, errors and disorders, Language Skills. **Evaluating language comprehension and proficiency:** speaking, listening, reading and writing. **Teaching -** learning materials: Textbook, multi-media materials, multilingual resource of the classroom, Remedial Teaching.

भाग–III सामान्य अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम	
A	हरियाणा से संबंधित इतिहास, समसामयिक मामले, साहित्य, भूगोल, नागरिक शास्त्र, पर्यावरण, संस्कृति, कला, परंपराएं एवं हरियाणा सरकार की कल्याणकारी योजनाएं।
B	सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कपूर्ण आधारः इसमें शाब्दिक और गैर–शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न शामिल होंगें। इस घटक में सादृश्य, समानताएं और अंतर, स्थानिक दृश्यता, स्थानिक अभिविन्यास, समस्या का समाधान, विश्लेषण, निर्णय, निर्णय लेने, दृश्य स्मृति, विभेदन, कथन, संबंध अवधारणाएँ, अंकगणितीय तर्क और चित्रात्मक वर्गीकरण, अंकगणितीय संख्या श्रृंखला, गैर–शाब्दिक श्रृंखला, कूटलेखन–कुटवाचन, कथन निष्कर्ष, न्यायबद्ध, तर्कपूर्ण आधार प्रश्न शामिल हो सकते हैं विषय हैः शब्दार्थगत सादृश्य, प्रतीकात्मक/संख्या सादृश्य, चित्रात्मक सादृश्य, शब्दार्थगत वर्गीकरण, प्रतीकात्मक/संख्या वर्गीकरण, चित्रात्मक वर्गीकरण, शब्दार्थगत श्रृंखला, संख्या श्रृंखला, चित्रात्मक श्रृंखला। समस्या का समाधान, शब्द निर्माण, कूटलेखन–कूटवाचन, संख्यात्मक संचालन। प्रतीकात्मक संचालन, रूझान, स्थानिक अभिविन्यास, स्थानिक दृश्यता, वेन आरेख, निष्कर्ष निकालना, छिद्रित छद/डिजाईन नमूना–मोड़ना और खोलना, आकृति पैटर्न– मोड़ना और पूर्णता, अनुक्रमण, पता मिलान, दिनांक और शहर मिलान, केन्द्र कोड/ रोल नम्बर का वर्गीकरण, छोटे और बड़े अक्षर/संख्या कोडिंग, डिकोडिंग और वर्गीकरण, अंतर्निहित आंकड़े, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमता, सामाजिक बुद्धिमता।
C	संख्यात्मक अभिक्षमता: प्रश्नों को संख्याओं के उचित उपयोग की क्षमता और उम्मीदवार की संख्या भावना का परीक्षण करने के लिए डिजाईन किया जाएगा। परीक्षण का दायरा पूरी संख्याओं, दशमलव, अंशों और संख्याओं, प्रतिशत के बीच संबंधों की गणना होगी एवं अनुपात और समानुपात, वर्गमूल, औसत, ब्याज, लाभ और हानि, छूट, साझेदारी व्यवसाय, मिश्रण और आरोप, समय और दूरी, समय और कार्य, स्कूल बीजगणित आर प्राथमिक करणियों की बुनियादी बीजगणितीय पहचान, रैखिक समीकरणों के रेखांकन, त्रिभुज और इसके विभिन्न प्रकार के केन्द्र, त्रिभुजों की अनुरूपता और समानता, वृत्त और उसकी जीवा, स्पर्श रेखा, एक वृत की जीवाओं द्वारा उपनिर्मित कोण, दो या दो से अधिक वृत्तों के लिए सामान्य स्पर्श रेखाएं, त्रिभुज, चतुर्भुज, नियमित बहुभुज, वृत्त, दायें पिज्म, दाएं वृत्ताकार शंकु, दायें वृत्ताकार बेलन, गोलार्ध, आयताकार समानांतर पाईप, त्रिकोणीय या वर्ग आधार के साथ नियमित दाएं पिरामिड, त्रिकोणमीतिय अनुपात, डिग्री और रेडियन माप, मानक पहचान, पूरक कोण, ऊंचाई और दूरी, आयतचित्र, आवृत्ति बहुभुज, बार आरेख और पाई चार्ट आदि को सम्मिलित करेगा।

भाग–IV विषय विशेष पाठ्यक्रम

रयासन विज्ञान	
A)	हमारे परिवेश में पदार्थ, क्या हमारे चारों ओर के पदार्थ शुद्ध हैं, परमाणु एवं अणु, परमाणु की संरचना, रसायनिक अभिक्रियाएं एवं समीकरण, अम्ल, क्षार एवं लवण।
B)	रसायन विज्ञान की मूलभूत अवधारणाएं, परमाणु की संरचना, तत्वों का वर्गीकरण एवं गुणों में आवधिकता (आवर्तता), रसायनिक आबंध एवं आणविक संरचना, रसायनिक उष्मप्रवैगिकी, साम्य अवस्था, रेडोक्स(उपापचयी) अभिक्रियाएं, कार्बनिक रसायन विज्ञान के कुछ बुनियादी सिद्धांत एवं तकनीक, हाइड्रोकार्बन।
C)	घोल, इलैक्ट्रो रसायन विज्ञान, रसायनिक काईनेटिक, डी एवं एफ ब्लोक तत्व, समन्वय यौगिक, हैलो एल्केन्स एवं हैलो एरीन्स, अल्कोहल, फिनोल एवं ईथर, एल्डिहाइड, कीटोन्स एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल, एमाइन्स, जैविक अणु, विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।

जीव विज्ञान	
A)	कोशिका : जीवन की मौलिक ईकाई, जैव अणु, कोशिका चक्र और कोशिका–विभाजन। पादप ऊतक जीव जगत में विविधता : जीव जगत, जैविक वर्गीकरण, वनस्पति जगत, पौधों का आर्थिक महत्व। पौधों में संरचनात्मक संगठन : पुष्पी पौधों की आकारिकी एवं शरीर, पौधों में प्रजनन (अलैंगिक और लैंगिक प्रजनन), पौधों में विभिन्न जैव–प्रक्रम, गमन एवं समन्वयन, पौधों में बीज–अंकुरण एवं प्रसुप्ति। पादप शरीर क्रियात्मकता : पौधों में परिवहन, खनिज पोषण, पौधों में
B)	प्राणी ऊतक प्राणी जगत, प्राणियों में संरचनात्मक संगठन, प्राणियों में जैव प्रक्रम (प्राणियों/मनुष्यों में विभिन्न तंत्रों सहित), इंद्रियां। प्राणियों में प्रजनन और विकास, मानव–प्रजनन और प्रजनन स्वास्थ्य, आर्थिक जन्तु–विज्ञान। मानव शरीर विज्ञानः पाचन और अवशोषण, श्वसन और गैसों का विनिमय, शरीर द्रव और परिसंचरण, उत्सर्जी उत्पाद और उनका निष्कषर्ण, गमन एवं संचलन, तांत्रिकीय नियंत्रण एवं समन्वय, रासायनिक समन्वय तथा एकीकरण, मानव–कल्याण में जीव विज्ञान : रोगः प्रकार और कारण, वाहक, उपचार और रोकथाम, मानव स्वास्थ्य और रोग, खाद्य उत्पादन में वृद्धि की कार्यनीति, मानव–कल्याण में सूक्ष्मजीव। खाद्य उत्पादन : खाद्य संसाधनों में सुधार, पशुपालन।

C)	पारिस्थितिकी : जीव और समष्टियाँ, पारितंत्र, प्रदूषण, जैव–रासायनिक चक्र, जैव विविधता और संरक्षण। प्राकृतिक संसाधन और उनका प्रबंधन, पर्यावरण के मुद्दे। आनुवंशिकी और विकास : वंशागति तथा विविधता के सिद्धांत, वंशागति के आणविक आधार, विकास। जैव प्रौद्योगिकी : सिद्धांत व पक्रम, जैव प्रौद्योगिकी एवं उसके उपयोग। विषय सम्बन्धी शिक्षा शास्त्र।

भौतिकी	
A	यांत्रिकीः मात्रक और मापन, सरल रेखा में गति, समतल में गति, गति के नियम, बल और घर्षण, कार्य, ऊर्जा और शक्ति, कणों के निकाय तथा घूर्णी गति, गरूत्वाकर्षण, ठोसों के यान्त्रिक गुण, द्रवों के यांत्रिक गुण, पदार्थ के तापीय गुण, ऊष्मा गतिकी, गैसों का अणुगति सिद्धांत, ध्वनि, दोलन और तरंगे।
B	विद्युत चुंबकत्वः_विद्युत आवेश और क्षेत्र, स्थिर विद्युत विभव तथा धारिता, विद्युत धारा, गतिमान आवेश और चुंबकत्व, विद्युत धारा के चुंबकीय प्रभाव, चुंबकत्व और पदार्थ, विद्युत चुंबकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धारा, विद्युत चुंबकीय तरंगे
C	प्रकाशःकिरण प्रकाशिकी एवं प्रकाशिक यंत्र, तरंग प्रकाशिकी, मानव नेत्र आधुनिक भौतिकीः विकिरण और द्रव्य की द्वैत प्रकृति, परमाणु, नाभिक, अर्धचालक इलेक्ट्रानिकी, पदार्थ, युक्तियां तथा सरल परिपथ। विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।

शारीरिक शिक्षा	
A	<u>शारीरिक शिक्षा</u> : अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य तथा महत्त्व भारत में शारीरिक शिक्षा का इतिहास : आज़ादी से पहले और आज़ादी के बाद के युग में। <u>शारीरिक शिक्षा के जैविक आधार</u> :– वृद्धि और विकास, अनुवांशिकता और पर्यावरण। क्रैशमर और शैल्डन के अनुसार शरीर के प्रकार और व्यक्तित्व का वर्गीकरण / व्यक्तित्व की विभाएँ। <u>शारीरिक शिक्षा के सामाजिक आधार</u> : खेल और सामाजिकरण। खेल और क्रीड़ा की तरफ भागीदारी में – परिवार, समाज और विद्यालय जैसी संस्थाओं की भूमिका। प्राचीन यूनान, रोम, जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन तथा रूस में शारीरिक शिक्षा। स्वास्थ्य और स्वच्छता। स्वास्थ्य और स्वास्थ्य शिक्षा में मार्गदर्शन सिद्धांत। संतुलित आहार और पोषण। स्वास्थ्य संबंधी पुष्टि या फिटनेस। माटापा और उसका (सुधारात्मक) प्रबंधन। प्राथमिक चिकित्सा। <u>संक्रामक रोग</u> : उनके कारण, लक्षण तथा रोकथाम। स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम और व्यक्तिगत स्वच्छता। खेल–चोटें तथा उनकी रोकथाम। मुद्रा संबंधी विकृतियां उनके

	कारण तथा रोकथाम। खेल, चिकित्सा। फिजियोथेरेपी और मरम्मत/वापसी/उद्धार। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ((CWSN)दिव्यांग) के लिए शारीरिक शिक्षा तथा खेल। शारीरिक पुष्टि और सुयोग्यता। <u>शरीर रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान</u> :– इनका अर्थ व परिभाषा / श्वसन तंत्र, रक्त संचरण प्रणाली, अस्थिपिंजर, मांसपेशी संस्थान, अन्तःस्रावी प्रणाली, पाचन–तंत्र नाड़ी–तंत्र (न्यूरो ट्रांसमिशन) तथा उत्सर्जन प्रणाली : सभी की शारीरिक–रचना, शारीरिक क्रिया विज्ञान सभी अंगों की रचना तथा कार्य।
B	अर्गोजेनिक सहायक, डोपिंग तथा एंटी डोपिंग/खेलों में प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारक/(काइन्सियोलॉजी) मानव गतिज विज्ञान और (बायो मैकेनिक्स) <u>जैव यांत्रिकी</u> : इनका अर्थ व परिभाषा/ जोड़ और उनमें गति/तल और अक्ष/गतिकी (काइनेटिक्स) और गतिकीय (काइनेटिक्स) – रैखिक और कोणीय। लीवर/ मोटर कौशल मांसपेशियों की गति और उनकी क्रियाएं या मोटर गति का मांसपेशीयाँ विश्लेषण/ गति के नियम/ संतुलन के सिद्धान्त/ बल/ विभिन्न खेल गतिविधियों का मांसपेशीय विश्लेषण/ मौलिक गतिविधियों का यांत्रिक विश्लेषण/ दौड़ने, कूदने, फेंकने, खींचने और धक्का देने की गतिविधियों का मानव गतिज–विज्ञान तथा जैव–यांत्रिकी आधार पर अध्ययन। <u>खेलों में मनोविज्ञान और समाज–शास्त्र</u> :– अर्थ व परिभाषाएँ खेलों में मनोविज्ञान और समाज शास्त्र के लक्ष्य और उद्देश्य। <u>अधिगम</u> :– अधिगम की प्रक्रिया, अधिगम के सिद्धान्त, अधिगम के नियम, स्थानान्तरक अधिगम। <u>प्रेरणा</u> :– आंतरिक और बाह्य–प्रेरणा/ खेल–प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक कारण। <u>नेतृत्व</u> :– अर्थ, परिभाषा, नेतृत्व के प्रकार और नेतृत्व के गुण। <u>मनोरंजन</u> :– इसके नियम व सिद्धान्त, विभिन्न आयु समूहों/ श्रेणियों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम। <u>योग शिक्षा</u> :– योग का इतिहास, अर्थ, परिभाषा, लक्ष्य और उद्देश्य। अष्टांग के सभी अंग, सूर्य–नमस्कार और इसके लाभ/ प्राणायाम इसके प्रकार तथा लाभ। <u>शुद्धि क्रियाएं</u> :– नेती, धोती, बस्ती/ योग का दैनिक जीवन में महत्व। <u>योग</u> :– जीवन–शैली रोगों के निवारक के रूप में।
C	<u>परीक्षण, मापन और मूल्यांकन</u> :– इनकी अवधारणा मापन और मूल्यांकन के सिद्धान्त, बैडमिंटन, बास्केटबाल, हॉकी, फुटबाल, वॉलीबाल और लॉनटेनिस के लिए कौशल

	परीक्षण (Skill Test) ट्रैक तथा फील्ड ईवेन्ट्स में मापन प्रमुख खेल व छोटे खेल/ ट्रैक, और फील्ड ईवेंट्स तथा सभी खेलों के नियम तथा विनिमय (आचरण) / क्रीड़ा व खेल शब्दावली, खेल–सामयिकी (भारत व संसार), खेल संघ, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय खेल (ओलंपिक आंदोलन) खल कप और ट्रॉफियां स्टेडियम, टूर्नामेंट और उनके फिक्सचर / खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट एथलेटिक व खेलों में गाउंड मार्किंग। खेल प्रबंधन :– प्रबंधन की अवधारणा और सिद्धान्त / खेल निकायों का गठन तथा उनका कार्य/ इन्ट्राम्यूरल और एक्स्ट्रॉम्यूरल / खेल के मैदान/ कोर्ट/ बुनियादी ढांचे, उपकरण, वित्त, तथा स्टाफकर्मी प्रबंधन/ खेलों में योजना/ खेलों में ऑफिसिएटिंग / अंपायरिंग शिक्षण : इसके सिद्धान्त, विधियां तथा तकनीकें पर्यवेक्षण (Supervision) की अवधारणा व तकनीकें खेल प्रशिक्षण :– इसकी अवधारणा व सिद्धांत/खेलों में अवधिकरण, विभिन्न खेल प्रशिक्षण विधियां, विभिन्न मोटर–गुणों के विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम / खेलों के लिए तकनीकी व सामरिक तैयारियां व अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम / मीडिया और खेल–खेलों और शारीरिक शिक्षा में कंप्यूटर अनुप्रयोग, राष्ट्रीय खेल–पुरस्कार। शोध : इसके प्रकार, प्रकृति, कार्यक्षेत्र और तरीके (विधियां) विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।

English	
A)	**Reading Comprehension:** One/two unseen passage (prose/poem) to assess the candidate's competence in the language; the necessary skills to derive meaning, analyse and information gathered through reading. **Language:** Pedagogy of English)- Aims and objectives of teaching English at school level, methods and approaches of teaching English language, ICT of/for/in Education.
B)	**Grammar and Usage-** This will include questions based on verb patterns, tenses, analysis of sentences, transformation of sentences, voices, narration, articles, determiners, auxiliaries(Primary, Modal) idiomatic expressions, phrasal verbs and parts of speech in detail(Noun, pronoun, verb, adjective, adverb, conjunction, interjection, preposition). **Basic Phonetics-** Word formation, vowel and consonant sounds, simple transcription, stress and intonation.
C)	**Literature:** Text based questions must be selected from the prescribed syllabus of the Board of School Education Haryana for classes IX to XII, Difficulty level of the questions may be raised to PG Level.

Hindi	
A)	हिन्दी भाषा एवं साहित्यः– हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, हिन्दी और उसकी

	बोलियों का सामान्य परिचय, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, इतिहास लेखक, काल–विभाजन एवं नामकरण, हिन्दी साहित्य का आरंभ एवं विभिन्न कालखंडों का प्रवृतिगत इतिहास, मुख्य काव्यधाराएं, प्रतिनिधि कवि एवं रचनाएं और विशेषताएं, हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास एवं गद्य की विभिन्न विधाएं।
B)	पाठ्यक्रम में संकलित रचनाओं की जानकारीः– क्षितिज, कृतिका, आरोह एवं वितान पुस्तकों में संकलित काव्य एवं गद्य रचनाओं पर आधारित प्रश्न, क्षितिज, कृतिका, आरोह एवं वितान पुस्तकों में संकलित कविताओं के काव्य–सौंदर्य(भाव एवं कला पक्ष) पर आधारित प्रश्न, क्षितिज, कृतिका, आरोह एवं वितान पुस्तकों में संकलित गद्य रचनाओं, रचनाकारों, विषय–वस्तु, विचार, संवेदना और भाषा पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में संकलित गद्य विधाओं का परिचय, प्रमुख व्यक्तित्व एवं उनके कौशल के परिचयात्मक ज्ञान पर आधारित प्रश्न, कहानी का नाट्य रुपांतरण, रेडियों नाटक और हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम पर आधारित प्रश्न, पाठ्यक्रम में आए पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थक एवं वाक्यांश के लिए एक शब्द पर आधारित प्रश्न।
C)	काव्यशास्त्र एवं व्याकरणः– शब्दशक्तियों के भेद एवं उदाहरण पर आधारित प्रश्न, काव्य हेतु, काव्य–गुण, काव्य–दोष एवं काव्य रीतियाँ, श्लेष, यमक, दीपक, अनुप्रास(भेद सहित), भ्रांतिमान, विरोधाभाष, उत्प्रेक्षा, संदेह एवं मानवीकरण अंलकारों पर आधारित प्रश्न, दोहा, रोला, सोरठा, चौपाई, मालिनी, वसन्ततिलका, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, सवैया एवं वंशस्थ छंदों पर आधारित प्रश्न, रस का स्वरुप, रस के अवयव एवं रस–निष्पत्ति पर आधारित प्रश्न, काव्य रीति के स्वरुप एवं विवेचन पर आधारित प्रश्न, वर्ण–विचार एवं वार्तनिक अशुद्धियों की पहचान पर आधारित प्रश्न, संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय पर आधारित प्रश्न, विकारी शब्द–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया पर आधारित प्रश्न, अविकारी शब्द–क्रियाविशेषण, संबंधसूचक, समुच्चय बोधक एवं विस्मयादिबोधक पर आधारित प्रश्न, पद–विचार संबधी प्रयोग एवं शुद्ध वाक्यों की पहचान पर आधारित प्रश्न, मुहावरे एवं लोकोक्तियों पर आधारित प्रश्न, औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रां पर आधारित प्रश्न।

HTET SYLLABUS (2023) FOR LEVEL-3 (PGT)

Subject Specific: Urdu   Questions: 60 MCQs   Marks: 60

نوٹ: اردو زبان کے نصاب کو HTET Level-3(PGT) کے لیے تین حصوں میں تقسیم کیا گیا ہے۔ پہلا حصہ شاعری کا ہے، دوسرا حصہ نثر کا اور تیسرا حصہ قواعد پر مبنی ہے۔

حصہ اول

موضوع: شاعری

اسباق	نمبر شمار
نظم کی تعریف اور اس کی اہم اقسام کا مطالعہ۔ گیت کی تعریف اور اس کا فن۔ غزل کی تعریف اور اس کا فن۔ مثنوی کی تعریف اور اس کا فن۔ قصیدہ کی تعریف، فن اور اجزائے ترکیبی۔ مرثیہ کی تعریف، فن اور اجزائے ترکیبی۔ رباعی کی تعریف اور اس کا فن۔ نصاب میں شامل شعرا کی حیات و خدمات اور تخلیقات کا مطالعہ۔	☆
جشنِ سلطان (نظم) تلوک چند محروم	1.
ایک دیہاتی لڑکی کا گیت (گیت) اختر شیرانی	2.
بہار رُت (نظم) سورج نرائن مہر	3.
ایک پودا اور گھاس (نظم) اسمٰعیل میرٹھی	4.
دوہے (کبیر)	5.
بہار کے دن (نظم) افسر میرٹھی	6.
حمد (نظم) اسمٰعیل میرٹھی	7
نیکی اور بدی (نظم) نظیر اکبرآبادی	8.
ہستی اپنی حباب کی سی ہے (غزل) میر تقی میر	9.
کوئی امید بر نہیں آتی (غزل) مرزا غالب	10.
پہاڑ اور گلہری (نظم) اقبال	11.
اے شریف انسانو (نظم) ساحر لدھیانوی	12.
قدم بڑھاؤ دوستو (نظم) بخش لائلپوری	13.
آدمی نامہ (نظم) نظیر اکبرآبادی	14.
آبِ زلال (نظم) اسمٰعیل میرٹھی	15.

16.	کیا تجھ عشق نے ظالم کوں آب آہستہ آہستہ (غزل) ولی دکنی
17.	ارض و سما کہاں تیری وسعت کو پا سکے (غزل) خواجہ میر درد
18.	جس سر کو غرور آج ہے یاں تاجوری کا (غزل) میر تقی میر
19	یہ آرزو تھی تجھے گل کے روبرو کرتے (غزل) خواجہ حیدر علی آتش
20.	ابن مریم ہوا کرے کوئی (غزل) مرزا غالب
21.	[illegible] (مثنوی) دیا شنکر نسیم
22	ہاں مہ نو سنیں ہم اس کا نام (قصیدہ) مرزا غالب
23.	مادرِ وطن (نظم) سرور جہان آبادی
24.	شہادت حضرت عباس (مرثیہ) میر ببر علی انیس
25.	مستقبل (نظم) اکبر الہ آبادی
26	شعاع امید (نظم) اقبال
27.	اردو (نظم) علی سردار جعفری
28.	تنہائی (نظم) فیض احمد فیض
29.	کیا تم سے بتائیں عمر فانی کیا تھی (رباعی) جگت موہن لال رواں
30.	دنیا سو طرح سے بہلاتی ہے (رباعی) جگت موہن لال رواں
31.	یہ کیا کہ حیات جاودانی کیا ہے (رباعی) جگت موہن لال رواں
32.	ایک لڑکا (نظم) اختر الایمان
33	پیارا پیارا گھر اپنا (گیت) محمد عظمت اللہ خاں
34.	رخصت ہوئی سکھی (گیت) شاد عارفی
35.	روگ کا راگ (گیت) اختر شیرانی
36.	یہ جھٹ سے کس کا روگ (گیت) احسان دانش
37	کھیتوں کے بیر کا گوندھوں گی (گیت) سلام مچھلی شہری
38.	کھڑ تری ہری (منظوم ترجمہ) امتیاز الدین خاں
39.	اب بھاگتے ہیں سایۂ عشق بتاں سے ہم (غزل) الطاف حسین حالی
40	اول شب وہ بزم کی رونق شمع بھی تھی پروانہ بھی (غزل) آرزو لکھنوی
41	زندگی ہے تو بہر حال بسر بھی ہوگی (غزل) معین احسن جذبی
42.	جب لگیں زخم تو قاتل کو دعا دی جائے (غزل) جاں نثار اختر

43.	ہے شب ہے خیال و خواب تیرے (غزل) ناصر کاظمی	
44.	گور غریباں (نظم) نظم طباطبائی	
45.	روح ارضی آدم کا استقبال کرتی ہے (نظم) اقبال	
46.	ارتقاء (نظم) جمیل مظہری	
47.	زندگی سے ڈرتے ہو (نظم) ن۔م۔راشد	

حصہ دوم

موضوع: نثر

شمار نمبر	اسباق
☆	اردو ادب کی تاریخ اور اردو زبان کی نشوونما سے متعلق اہم نظریات، مضمون کی تعریف اور اس کے اہم اجزا اور افسانہ، مختصر افسانہ کی تعریف، فن، اجزائے ترکیبی، کہاوت کی تعریف اور اس کا فن، خاکہ نگاری کی تعریف اور اس کا فن، مکالمہ کی تعریف اور اس کا فن، ڈراما کی تعریف، فن اور اجزائے ترکیبی، داستان کی تعریف اور اس کے اہم اجزا، انشائیہ کی تعریف اور اس کا فن، مکتوب نگاری کی تعریف اور اس کا فن، تنقیدی مضمون کی تعریف اور اس کا فن، ناول کی تعریف، آپ بیتی/خودنوشت کی تعریف اور اس کا فن، رپورتاژ کی تعریف اور اس کا فن، روزنامچہ کی تعریف اور اس کا فن، سفرنامہ کی تعریف اور اس کا فن۔ نصاب میں شامل نثر نگاروں کی حیات، شخصیات اور تخلیقات کا مطالعہ۔
1.	بہادر شاہ کا ہاتھی (مضمون) میر باقر علی دہلوی
2.	نادان دوست (کہانی) منشی پریم چند
3.	چڑیا گھر کی سیر (مضمون) ادارہ
4.	احسان کا بدلہ احسان (کہانی) ڈاکٹر ذاکر حسین
5.	سندباد جہازی کا ایک سفر (عربی کہانی) ترجمہ
6.	کہاوتوں کی کہانی (مضمون) فرحت کاکوروی
7.	تنکا تھوڑی ہوا سے اڑ جاتا ہے (کہانی) ترجمہ محمد مجیب
8.	مصنوعی سیارے (مضمون) ادارہ
9.	صلاح الدین (مضمون) احمد جمال پاشا
10.	وقت (مضمون) ڈپٹی نذیر احمد
11.	غیر تدریسی اقتباس (Unseen Passege)

	بے تکلفی (انشائیہ) کنھیا لال کپور	12.
	زبانوں کا گھر ہندوستان (مضمون) سید احتشام حسین	13.
	خدا کے نام خط (ترجمہ: میکسیکن لوک کہانی) گریگوریو لوپیز وائی فوئنتے	14.
	ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر (مضمون) ادارہ	15.
	آدمی کی کہانی (مضمون) محمد مجیب	16.
	انٹرنیٹ (مضمون) ادارہ	17.
	نئی روشنی (مکالمہ) ماخوذ	18.
	رضیہ سلطان (مضمون) ماخوذ	19.
	کاٹھ کا گھوڑا (کہانی) رتن سنگھ	20.
	کارتوس (ڈراما) حبیب تنویر	21.
	سرگزشت آزاد بخت بادشاہ کی (داستان) میر امن	22.
	مرزا مظہر جانِ جاناں (ادبی تاریخ) محمد حسین آزاد	20.
	سویرے جو کل آنکھ میری کھلی (طنز و مزاح) پطرس بخاری	24.
	میر باقر علی داستان گو (خاکہ) شاہد احمد دہلوی	25.
	گوری ہو گوری (مختصر افسانہ) سید رفیق حسین	20.
	چوتھی کا جوڑا (مختصر افسانہ) عصمت چغتائی	27.
	سرسید مرحوم اور اردو لٹریچر (مضمون) شبلی نعمانی	28.
	ہماری کہاوتیں (مضمون) شان الحق حقی	29.
	منشی ہرگوپال تفتہ کے نام (مکتوب نگاری) مرزا غالب	30.
	ٹھمری ایک مطالعہ (تنقیدی مضمون) سید احتشام حسین	31.
	لمحے (مختصر افسانہ) بلونت سنگھ	32.
	فوٹو گرافر (مختصر افسانہ) قرۃ العین حیدر	33.
	سکون کی نیند (مختصر افسانہ) اقبال مجید	34.
	روشنائی (یادیں) سجاد ظہیر	35.
	اس آباد خرابے میں (آپ بیتی) اختر الایمان	36.
	پودے (رپورتاژ) کرشن چندر	37.
	فکر (انشائیہ) خواجہ حسن نظامی	38.
	غالب جدید شعرا کی ایک مجلس میں (طنز و مزاح) کنھیا لال کپور	39.
	دیوداروں کی بہار (سفرنامہ) رام لعل	40.

41.	کلیم الدین احمد (خاکہ) احمد جمال پاشا
42.	کلرک کی موت (روسی کہانی) چیخوف
43.	جنم دن (ملیالم کہانی) مترجم: ضیاء الرحمٰن صدیقی
44.	جلتی جھاڑی (ہندی کہانی) نرمل ورما

حصہ سوم

موضوع: قواعد

	اسم، ضمیر، صفت اور فعل وغیرہ۔ محاورے، کہاوتیں، تذکیر و تانیث، واحد، جمع اور متضاد۔ علم بیان اور علم بدیع کی اہم اقسام: تشبیہ، استعارہ، کنایہ، مجاز مرسل، صنعت تضاد، حسن تعلیل، تجاہل عارفانہ، تلمیح، مبالغہ اور ایہام۔

نوٹ: مندرجہ بالا نصاب جماعت 9ویں اور 10ویں کی کتاب 'جان پہچان' (حصہ 4 اور 5) اور گیارہویں اور بارہویں جماعت کی 'گلستانِ ادب' اور 'خیابانِ اردو' (NCERT) سے ماخوذ ہے۔ سوالات انہیں اسباق پر مبنی ہوں گے۔

विषयः – संस्कृतम्   लेवल – 3

प्रथमो भागः

- एषु पाठ्यपुस्तकेषु नियोजितान् पाठ्यबिन्दून् आधारीकृत्य पठित-अपठित-गद्यांशाधारिताः बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः प्रष्टव्याः ।

1. शेमुषी प्रथमो भागः   2. शेमुषी द्वितीयो भागः।
3. शाश्वती प्रथमो भागः   4. शाश्वती द्वितीयो भागः।

१) एतानि सूत्राणि आधारीकृत्य संज्ञा प्रकरणतः सामान्यप्रश्नाः ।

इत्संज्ञा, प्रत्याहारसंज्ञा, उदात्त, अनुदात्त, स्वरित, संयोगसंज्ञा, सवर्णसंज्ञा, उच्चारणस्थानानि, पदसंज्ञा, प्रयत्नानि।

२) निम्नलिखित-सन्धिसूत्रानुसारं सन्धेः सन्धिविच्छेदस्य च सूत्राणि -

इको यणचि, अकः सवर्णे दीर्घः, आद्गुणः, वृद्धिरेचि, लोपः शाकल्यस्य, स्तोः श्चुना श्चुः, ष्टुना ष्टुः, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, झयो होऽन्यतरस्याम्, उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य, झरो झरि सवर्णे, खे च, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अचोऽन्त्यादि टि, एत्येधत्यूठ्सु, उपसर्गादृति धातौ, एङि पररूपम्, ओमाङोश्च, एङः पदान्तादति, ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्, विसर्जनीयस्य सः, ससजुषो रुः, अतो रोरप्लुतादप्लुते, हशि च, भो-भगो-अघो-अपूर्वस्य योऽसि, रोऽसुपि, रो रि, ढ्लोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः।

३) समासाः - मध्यसिद्धान्तकौमुदी - अनुसारं सूत्रसहितम् -

केवलसमासः, अव्ययीभावसमासः, तत्पुरुषः, कर्मधारयः, द्विगुः, द्वन्द्वः, बहुव्रीहिः – एतेषां सामान्यपरिचयः, पदानां समासः, समासविग्रहश्चेति।

द्वितीयो भागः

१) निम्नलिखितानां शब्दरूपाणां ज्ञानं तथा विभक्ति-आधारितप्रश्नाः (सूत्रसहितम्) :-

कृष्ण, रमा, हरि, मति, पति, सखिन्, गुरु, वधू, आत्मन्, नदी, लक्ष्मी, धेनु, मातृ, पितृ, वारि, दधि, मधु, राजन्, मनस्, सर्व (त्रिषु लिङ्गेषु), तत्, एतत्, इदम् (त्रिषु लिङ्गेषु), अस्मद्, युष्मद् ।

२) निम्नलिखितानां धातूनां दशलकारेषु रूपाणि वाक्यप्रयोगश्च :-

अ) परस्मैपदी - भू, पठ्, अस्, कृ, ज्ञा, शक्, पा, हन्, लिख्, चिन्त् ।

ब) आत्मनेपदी - एध्, सेव्, लभ्, रुच्, मुद् याच्।

स) उभयपदी - कृ, पच्, मन्।

३) निम्नप्रत्ययानां सामान्यज्ञानम् - पूर्वकृदन्त, उत्तरकृदन्त, तद्धित, स्त्रीलिङ्ग च (मध्यसिद्धान्तकौमुदी-अनुसारं सूत्रसहितं प्रकृति-प्रत्यय-आधारिताः प्रश्नाः) :-

क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, उ, यत्, तव्यत्, तव्य, अनीयर्, केलिमर्, क्यप्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच्, ल्यु, णिनि, क, ष्वुन्, वुन्, अण्, टक्, ट, खश्, खच्, ड, क्त्वा, ल्यप्, क्विप्, तुमुन्, घञ्, क्तिन्, वसु, षाकन्, स्नु, क्नु, इत्र, ष्ट्रन्, नङ्, नन्, अच्, अप्, कि, अङ्, युच्, णमुल्, मतुप्, तरप्, तमप्, इष्ठन्, ष्य, ठक्, ठन्, ठञ्, त्यप्, तल्, य, इवलच्, वलच्, छ, त्यप्, म, एण्य, मयट्, ष्लञ्, डट्, तीय, उरच्, र, ग्मिनि, तिकन्, च्वि, डाच्, साति, विनि, टाप्, चाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्, ऊङ्, ति।

४) कारकप्रकरणम् - सिद्धान्तकौमुदी-अनुसारं सूत्रसहितम्।

तृतीयो भागः

१) अधोलिखित-छन्दसाम् अलङ्काराणां च परिज्ञानम् -

* छन्दांसि –

  अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थम्, द्रुतविलम्बितम्, वसन्ततिलका, मालिनी, स्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडितम्, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता।

* अलङ्काराः –

  अनुप्रासः, यमकम्, श्लेषः, उपमा, अर्थान्तरन्यासः, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, दृष्टान्तः, सन्देहः, भ्रान्तिमान्, निदर्शना।

२) कारक-प्रत्यय-समास-आधारितवाक्यानाम् अशुद्धिसंशोधनम्।

* उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय, विशेषण-विशेष्य विलोमपदं पर्यायपदश्चेति।

३) संस्कृतसाहित्येतिहासः -

क) वैदिकसाहित्यम्।

ख) लौकिकसाहित्यम्।

क) वैदिकसाहित्यम् :-

वेदाः – ऋग्वेदः, यजुर्वेदः, सामवेदः, अथर्ववेदः (एतेषां सामान्यपरिचयः)।

सूक्तानि – अग्निः, पुरुषः, हिरण्यगर्भः, इन्द्रः, भूमिः, प्रजापतिः।

संवादसूक्तानि – यम-यमीसंवादः, पुरुरवा-उर्वशीसंवादः, शरमा-पणिसंवादः, शुनः शेपः आख्यानम्।

पुराणानि – अग्नि, ब्रह्म, विष्णु, वायु, पद्म, भागवत, स्कन्द, भविष्य (एतेषां सामान्यपरिचयः)।

उपनिषदः – ईश, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय, मुण्डक, माण्डूक्य, श्वेताश्वेतर (एतेषां सामान्यपरिचयः)।

वेदाङ्गानि – शिक्षा, कल्पः, व्याकरणम्, ज्योतिषः, छन्दः, निरुक्तम् (एतेषां सामान्यपरिचयः)।

ख) लौकिकसाहित्यम् एवं कवयश्च :-

रामायणम्, महाभारतम्, श्रीमद्भगवद्गीता, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, बुद्धचरितम्, सौन्दरानन्दम्, किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, जानकीहरणम्, हरविजयम्, मेघदूतम्, गीतगोविन्दम्, दशकुमारचरितम्, कादम्बरी, हर्षचरितम्, शिवराजविजयम्, स्वप्नवासवदत्तम्, मृच्छकटिकम्, उत्तररामचरितम्, मुद्राराक्षसम्, वेणीसंहारम्, रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानन्दम्, मालतीमाधवम्, अनर्घराघवम्, वासवदत्ता, हितोपदेशः, पञ्चतन्त्रम्, बृहत्कथा, कथासरित्सागरः।

- आधुनिकसंस्कृतकवयः :- देवर्षिः कलानाथशास्त्री, भट्ट मथुरानाथशास्त्री, पं. पद्मशास्त्री, डॉ. प्रभाकरशास्त्री।

HTET LEVEL- 3 **MM : 60**

SUBJECT PUNJABI

Part -1

ਭਾਗ ਪਹਿਲਾ :- ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਸੰਕਲਿਤ ਰਚਨਾਵਾਂ :- ਜਮਾਤ ਨੌਵੀਂ ਅਤੇ ਦਸਵੀਂ

ਸਾਹਿਤਕ ਕਿਰਨਾਂ -1 ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਕਿਰਨਾਂ -2 ਵਿਚ ਦਰਜ ਕਵਿਤਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ – ਵਸਤੂ, ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ, ਕਾਵਿ ਕਲਪਨਾ, ਕਾਵਿ ਗੁਣ, ਕਾਵਿ ਸ਼ੈਲੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ /ਵਾਰਤਕ ਰਚਨਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ – ਵਸਤੂ , ਵਿਚਾਰ -ਵਿਕਾਸ , ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ, ਰੰਗ ਸ਼ੈਲੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

ਸਾਹਿਤਕ ਰੰਗ -1 ਅਤੇ ਸਾਹਿਤਕ ਰੰਗ -2 ਵਿਚ ਦਰਜ ਕਹਾਣੀਆਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ -ਵਸਤੂ, ਕਹਾਣੀ ਵਿਚਲੀ ਸੰਵੇਦਨਾ, ਉਦੇਸ਼, ਪਾਤਰ ਚਿਤਰਨ, ਭਾਸ਼ਾ ਸ਼ੈਲੀ, ਪਾਠਕ/ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਮਨ ਉੱਤੇ ਪਏ ਪ੍ਰਭਾਵ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ । ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਕਾਂਗੀਆਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ ਵਸਤੂ, ਪਾਤਰ ਚਿਤਰਨ, ਉਦੇਸ਼, ਨਾਟ ਸ਼ੈਲੀ, ਰੰਗ ਮੰਚ,ਅਜੋਕੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਸਬੰਧਿਤ ਵਿਸ਼ੇ ਦੀ ਸਾਰਥਕਤਾ/ ਪ੍ਰਸੰਗਿਕਤਾ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਭਿੰਨ- ਭਿੰਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੋਂ ਉੱਭਰਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਜੀਵਨੀਆਂ ਵਿਚ ਜੀਵਨੀ ਨਾਇਕ ਦੇ ਨਿੱਜੀ ਜੀਵਨ,ਉਸ ਦੇ ਜੀਵਨ ਵਿਚ ਆਈਆਂ ਔਕੜਾਂ, ਉਸ ਦੇ ਸੰਘਰਸ਼,ਪ੍ਰਾਪਤੀਆਂ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਸੇਧ /ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਆਦਿ ਸਬੰਧੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

Part – 2

ਭਾਗ ਦੂਜਾ :- ਪਾਠ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਸੰਕਲਿਤ ਰਚਨਾਵਾਂ :- ਜਮਾਤ ਗਿਆਰ੍ਹਵੀਂ ਅਤੇ ਬਾਰ੍ਹਵੀਂ .

ਕਾਵਿ -ਰਚਨਾਵਾਂ (ਕਾਵਿ ਸੰਗ੍ਰਹਿ) ਵਿਚ ਦਰਜ ਭਗਤੀ ਧਾਰਾ ,ਸੂਫ਼ੀ ਧਾਰਾ, ਵਾਰ ਧਾਰਾ, ਕਿੱਸਾ ਧਾਰਾ ਵਿਚ ਸੰਕਲਿਤ ਕੀਤੇ ਕਾਵਿ ਟੋਟਿਆਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਸ਼ਾ - ਵਸਤੂ, ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ, ਕਾਵਿ ਸ਼ੈਲੀ, ਤਤਕਾਲੀ ਹਾਲਤਾਂ - ਸੀਮਤਾਂ, ਰਚਨਾਕਾਰਾਂ ਦੇ ਅਨੁਭਵ,ਚਿੰਤਨ, ਵਿਸ਼ਵਾਸ, ਖ਼ੂਬੀਆਂ-ਕਮੀਆਂ ਕਾਵਿ ਧਾਰਾਵਾਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ, ਭਿੰਨ - ਭਿੰਨ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ/ ਬੋਲੀਆਂ ਦੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦਿੱਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਕਥਾ -ਕਹਾਣੀ (ਕਹਾਣੀ ਸੰਗ੍ਰਹਿ) ਵਿਚਲੀਆਂ ਕਹਾਣੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਉਭਰਦਾ ਵਿਸ਼ਾ -ਵਸਤੂ , ਕਾਲ -

ਮਨੋਵਿਗਿਆਨ, ਕਹਾਣੀ ਰਸ,ਪਾਤਰ, ਸਿਰਲੇਖ ਉਦੇਸ਼ ਤੇ ਕਹਾਣੀਆਂ ਤੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਿੱਖਿਆ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਕਾਵਿ-ਕੀਰਤੀ (ਕਾਵਿ ਸੰਗ੍ਰਹਿ) ਵਿਚ ਦਰਜ ਆਧੁਨਿਕ ਕਵਿਤਾਵਾਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾ-ਵਸਤੂ, ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ, ਕਾਵਿ ਰੂਪ। ਕਾਵਿ ਸ਼ੈਲੀ, ਆਦਿ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

ਆਧੁਨਿਕ [illegible] (ਵਾਰਤਕ ਪੁਸਤਕ) ਵਿਚ ਦਰਜ ਵਾਰਤਕ ਰਚਨਾਵਾਂ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਵਿਸ਼ਾ - ਵਸਤੂ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਚਾਰ, ਵਿਗਿਆਨਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੇ ਲੇਖ ਸ਼ੈਲੀ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ ।

[illegible] (ਨਾਟਕ) ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਵਿਸ਼ਾ-ਵਸਤੂ ,ਪਾਤਰ ਚਿਤਰਨ, ਉਦੇਸ਼, ਨਾਟ ਸ਼ੈਲੀ,ਰੰਗ ਮੰਚ ਅਜੋਕੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ ਸਬੰਧਿਤ ਵਿਸ਼ੇ ਦੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਪ੍ਰਸੰਗਿਕਤਾ ਆਦਿ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ ਜਾਣ।

Part -B

ਭਾਗ ਤੀਜਾ :- ਵਿਆਕਰਣ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ :-

*ਵਰਣ ਬੋਧ (ਵਰਣ, ,ਲਗਾ –ਮਾਤਰਾ, ਲਗਾਖਰ)

* ਸ਼ਬਦ ਬੋਧ (ਨਾਂਵ, ਪੜਨਾਂਵ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ, ਕਿਰਿਆ, ਕਿਰਿਆ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ, ਸੰਬੰਧਕ, ਯੋਜਕ, ਲਿੰਗ ਬਦਲੋ, ਵਚਨ ਬਦਲੋ,ਕਾਰਕ, ਕਾਲ, ਪਦ- ਵੰਡ)

*ਸ਼ਬਦ ਰਚਨਾ (ਅਗੇਤਰ, ਪਿਛੇਤਰ, ਸਮਾਸੀ ਸ਼ਬਦ)

* ਵਾਕ – ਬੋਧ (ਵਾਕ – ਰਚਨਾ, ਵਾਕ – ਵੰਡ, ਵਾਕ –ਵਟਾਂਦਰਾ, ਵਿਸ਼ਰਾਮ ਚਿੰਨ੍ਹ)

* ਵਿਰੋਧੀ ਸ਼ਬਦ ,ਸਮਾਨਾਰਥਕ ਸ਼ਬਦ, ਬਹੁ ਅਰਥਕ ਸ਼ਬਦ, |

* ਮੁਹਾਵਰੇ ਅਤੇ ਅਖਾਣ |

*ਆਮ ਗਿਆਨ ਪੇਪਰ (ਇਕ ਸਾਹਿਤ ਵਿਚੋਂ, ਇਕ ਵਾਰਤਕ ਵਿਚੋਂ,

*ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਗੁਰਮੁਖੀ ਲਿਪੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ)

•ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼

- ਵਿਆਕਰਣ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ (ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਪੁਸਤਕਾਂ ਤੇ ਸਹਾਇਕ ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚੋਂ)
- ਪਿੰਗਲ (ਅੱਖਰ, ਮਾਤਰਾ, ਲਘੂ, ਗੁਰੂ, ਤੁਕ, ਤੁਕਾਂਤ, ਤੁਕਾਂਗ, ਧੁਨੀ, ਗਣ)
- ਛੰਦ (ਦੋਹਿਰਾ, ਸੋਰਠਾ, ਕਬਿੱਤ, ਬੈਂਤ, ਚੌਪਈ, ਸਵੱਈਆ)

ਅਲੰਕਾਰ (ਅਨੁਪ੍ਰਾਸ, ਉਪਮਾ, ਰੂਪਕ, ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਂਤ, ਅਤਿ-ਕਥਨੀ)

ਕਾਵਿ ਰੂਪ ਅਤੇ ਸਾਹਿਤ ਰੂਪ

- ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨ।

	समाजशास्त्र
A	<u>भाग–1 : मूलभूत अवधारणा</u> ● समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवम् विकास : पश्चिमी देशों तथा भारत में ● समाजशास्त्र : अर्थ, परिभाषा तथा विषय वस्तु ● समाजशास्त्र एवम् अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध ● समाज तथा सामाजिक समूह ● सामाजिक स्तरीकरण : जाति, वर्ग एवं वर्ण व्यवस्था ● स्थिति एवं भूमिका ● सामाजिक नियंत्रण ● संस्कृति ● समाजीकरण ● सामाजिक संरचना ● सामाजिक प्रक्रिया एवम् सामाजिक विचलन ● सामाजिक परिवर्तन एवम् सामाजिक गतिशीलता ● परिवार, विवाह एवम् नातेदारी
B	भाग–2 : भारतीय समाज एवम् सामाजिक परिवर्तन ● जनजाति – राष्ट्रीय विकास और जनजातीय विकास, समकालीन जनजातीय पहचान ● पूंजीवाद, वस्तुकरण और उपभोग ● भूमंडलीकरण या वैश्वीकरण, उदारीकरण, बाजारीकरण ● सामाजिक विषमता और बहिष्कार : सामाजिक असमानता, पूर्वाग्रह, सामाजिक भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार– अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/दिव्यांगजन, गरीबी रेखा, अस्पृश्यता, अन्य पिछड़ा वर्ग

	और आयोग, आदिवासी संघर्ष और आदिवासियों का विस्थापन और पुनर्वास, महिलाओं की समानता और अधिकारियों के लिए संघर्ष, अक्षम व्यक्तियां का संघर्ष ● सांस्कृतिक विविधता और भारत एक राष्ट्रीय राज्य के रूप में, 'आत्मसातीकरणवादी' और 'एकीकरणवादी' नीतियों में अन्तर, अल्पसंख्यकों के अधिकार और राष्ट्र निर्माण, सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्र राज्य, राज्य और नागरिक समाज ● संरचनात्मक परिवर्तन – अर्थ और अवधारणा, उपनिवेशवाद एवम् पूंजीवाद, शहरीकरण और औद्योगीकरण, भारत पर ब्रिटिश औद्योगीकरण का प्रभाव, स्वतंत्र भारत में औद्योगीकरण, स्वतंत्र भारत में शहरीकरण/नगरीकरण, महानगरीय शहर, भारत में शहरी जनसंख्या की वृद्धि दर, स्मार्ट सिटी ● सांस्कृतिक परिवर्तन की अवधारणा – 19 वीं और 20 वीं सदी की शुरूआत में सामाजिक सुधार आंदोलन ● संविधान और सामाजिक परिवर्तन – मौलिक अधिकार, सामाजिक न्याय, पंचायती राज, ग्राम–स्वराज्य, राजनीतिक दल और दबाव समूह ● ग्रामीण समाज एवं औद्योगिक समाज में विकास और परिवर्तन – कृषि संरचना, भूमि सुधारों का प्रभाव, हरित क्रांति, प्रवास, अनुबंध खेती, कृषि का वैश्वीकरण, ग्रामीण विकास एवं कृषि विकास कार्यक्रम, स्वतंत्रता के पूर्व तथा पश्चात भारत में औद्योगीकरण, मेक इन इंडिया कार्यक्रम ● जनसम्पर्क साधन/मास मीडिया और जनसंचार– आधुनिक मास मीडिया की शुरूआत, ब्रिटिश शासन एवं स्वतंत्र भारत में मास मीडिया, प्रिंट और सोशल मीडिया ● सामाजिक आंदोलन– अवधारणा, विशेषताएँ, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक आंदोलन, पारिस्थितिकी आंदोलन, किसान आंदोलन, श्रमिक आंदोलन, जाति आधारित आंदोलन, पिछड़ा वर्ग जाति आंदोलन, जनजातीय आंदोलन, महिला आंदोलन, गैर सरकारी संगठन
C	**भाग–3 : समाजशास्त्रीय विचार/सामाजिक अनुसंधान** ● कार्ल मार्क्स, एमिल दुर्खीम, मैक्स वेबर : जीवन परिचय एवम् सिद्धांत ● जी.एस. घुर्ये, डी.पी. मुखर्जी, ए.आर. देसाई, एम.एन.श्रीनिवास– जीवन परिचय एवम् सिद्धांत ● सामाजिक अनुसंधान– अर्थ और परिभाषा, अनुसंधान के प्रमुख चरण, अनुसंधान के प्रकार, डेटा और डेटा के प्रकार, तथ्य प्राप्त करने की प्रमुख विधियाँ एवम् सिद्धांत ● जनसांख्यिकी– जनसांख्यिकी के सिद्धांत और अवधारणाएँ, जन्म दर, मृत्यु दर, प्राकृतिक वृद्धि, प्रजनन दर, शिशु मृत्यु दर, जीवन प्रत्याशा, लिंग अनुपात, आयु संरचना, निर्भरता या पराश्रितता अनुपात, जनसांख्यिकीय लाभांश, साक्षरता दर आदि। भारतीय जनसंख्या का आकार और वृद्धि– 1901 से 2011, महामारी पैन्डेमिक और एपिडेमिक, भारतीय जनसंख्या की आयु संरचना, ग्रामीण–शहरी संपर्क और विभिन्नताएँ, भारत की जनसंख्या नीति ● सामाजिक पारिस्थितिकी– सामाजिक पर्यावरण, पर्यावरण और समाज के

	बीच सहभागिता, प्रमुख पर्यावरणीय समस्या और जोखिम, प्राकृतिक और मानव निर्मित पर्यावरण आपदाएँ, सतत् विकास बाजार और अर्थव्यवस्था पर समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य – एडम स्मिथ – बाजार अवधारणा, साप्ताहिक जनजातीय बाजार, जाति आधारित बाजार, जजमानी व्यवस्था, पारंपरिक व्यापारिक समुदाय, आभासी बाजार

कम्पयूटर विज्ञान	
A	कम्प्यूटर सिस्टमः इतिहास,पीढ़ी, विशेषताएँ, लाभ और सीमाएँ, कम्प्यूटर सिस्टम के अनुप्रयोग और प्रकार सीपीयू, एएलयू और सीयू, इनपुट/आउटपुट डिवाइस। मेमोरीः मेमोरी की इकाइयाँ, मेमोरी के प्रकार। प्रोग्रामिंग भाषा का वर्गीकरणः उच्च स्तरीय भाषा, मशीन स्तरीय भाषा। माईक्रोप्रोसेसर का इतिहास, वास्तुकला और विशेषताएँ। एन्कोडिंग योजनाएँ और संख्या प्रणालीः ASCII, यूनिकोड, संख्या प्रणाली और रूपांतरण। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरः– सिस्टम सॉफ्टवेयर (ऑपरेटिंग सिस्टमः इसकी आवश्यकता और कार्य, कंपाइलर, इंटरप्रेटर, असेंबलर), एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, यूटिलिटी सॉफ्टवेयर, डिवाइस ड्राइवर, एमएस विंडोः डेस्कटॉप, टास्कबार, आइकन, पीसी, रीसायकल बिन, फाइल एक्सप्लोरर, एज ब्राउज़र, कट, कॉपी, पेस्ट, थीम और पृष्ठभूमि। वर्ड प्रोसेसर (एमएस वर्ड): घटक, फॉर्मेटिंग,संरेखण, इंडेंट, बॉर्डर और शेडिंग, प्रतीक,आकार, क्लिपआर्ट, वर्ड आर्ट, हेडर आर फुटर, टेबल्स, पेज सेटअप, प्रिंटिंग। स्प्रेडशीट (एमएस एक्सेलः घटक, कार्यपुस्तिका, वर्कशीट, फॉर्मेटिंग, सेल पता, सेल पॉइंटर, सक्रिय सेल, कोशिकाओं की श्रेणी, पाठ, सूत्र, दिनांक/समय, चार्ट,चार्ट के प्रकार, चार्ट के घटक, एमएस एक्सेल में चार्ट बनाना, मुद्रणवर्कशीट/चार्ट, कार्यः योग(). औसत(). अधिकतम(). न्यूनतम(),गणना() प्रजेंटेशन सॉफटवेयर (MSपावर–प्वाइंट): घटक, स्लाइड के तत्व, प्रेजेंटेशन बनाना और सेव करना, स्लाइड लेआउट,स्लाइड व्यू, फॉर्मेटिंग, क्लिपआर्ट, चित्र, आकृतियाँ,शीर्षलेख/पाद लेख और स्लाइड संख्याएँ। एनिमेशन योजनाएँ, ध्वनि प्रभाव, स्लाइड शो।
B	समस्या समाधान और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग (एसडीएलसी और परीक्षण): समस्या समाधान चक्रः विश्लेषण, डिज़ाइन, कोडिंग कार्यान्वयन और परीक्षण एल्गोरिदमः एल्गोरिदम की आवश्यकता, फ़्लो चाट का उपयोग करके डिज़ाइन एल्गोरिदम। प्रोग्रामिंगः प्रोग्रामिंग की अवधारणा और आवश्यकता. प्रोग्राम संरचनाएँः अनुक्रम, चयन और पुनरावृति। एसडीएलसी में प्रमुख चरण–आवश्यकता एकत्रीकरण और विश्लेषण (सर्वेक्षण), जांच और तथ्य रिकॉर्डिंग (व्यवहार्यता अध्ययन), सॉफटवेयर डिजाइन, विकास (कोडिंग), परीक्षण, कार्यान्वयन, रखरखाव। परीक्षण–ब्लैक बॉक्स और व्हाइट बॉक्स परीक्षण, परीक्षण के स्तर–इकाई परीक्षण, एकीकरण परीक्षण, सिस्टम परीक्षण और स्वीकृति परीक्षण। पायथन के साथ शुरूआत करनाः पायथन की विशेषताएं, इंटरैक्टिव और स्क्रिप्ट

	मोड में पायथन इंटरप्रेटर के साथ काम करना, प्रोग्राम की संरचना, पहचानकर्ता, कीवर्ड्, स्थिरांक, चर, ऑपरेटरों के प्रकार, ऑपरेटरों की प्राथमिकता, डेटा प्रकार, कथन, अभिव्यक्ति, मूल्यांकन और टिप्पणियां, इनपुट और आउटपुट स्टेटमेंट, डेटा प्रकार रूपांतरण, डिबगिंग। नियंत्रण संरचनाएँः अनुक्रम, चयन (निर्णय) और पुनरावृति। फंक्शन की आवश्यकता, उपयोगकर्ता परिभाषित फंक्शन, अंतर्निहित फंक्शन। स्ट्रिंग्सः स्ट्रिंग्स, स्टिंग ऑपरेशंस को प्रारंभ करना और उन तक पहुंचना। सूचीः सूची संचालन टुपल्स : टुपल्स पर तत्वों का निर्माण, आरंभीकरण, उन तक पहुंच, संचालन। शब्दकोश : कुंजी–मूल्य जोड़ी की अवधारण, परिवर्तनशीलता, निर्माण, आरंभीकरण, शब्दकोश, संचालन। उभरते रूझान, साइबर, साइबर सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव : आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस, मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा का प्रसार, राबोटिक्स, बिग डेटा, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सेंसर, स्मार्ट सिटी, क्लाउड कंम्यूटिंग, ग्रिड कंप्यूटिंग, ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी, 5जी नेटवर्क, ई–व्यापार। साईबर सुरक्षा : कंप्यूटर वायरस, मेलवेयर, एडवेयर, वर्म्स, ट्रोजन, रैनसम वेयर, स्पाईवेयर, हैकर्स और क्रैकर्स, सुरक्षा उपाय, पहचान सुरक्षा, पासवर्ड का उचित उपयोग, सूचना की गोपनीयता। डिजिटल पदचिह्न : नेट सर्फिंग के शिष्टाचार और सोशल मीडिया के माध्यम से संचार के लिए, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), साइबर अपराध और साइबर कानून, हैकिंग, फिशिंग, साइबर बदमाशी, भारतीय आईटी अधिनियम, साइबर आपराध रोकथाम। स्वास्थ्य पर प्रभाव, प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं जैसे आँखों पर प्रभाव, शारीरिक समस्याओं के बारे में जागरूकता। HTML का उपयोग करके वेब डिजाइनिंग : HTML का इतिहास, टेक्स्ट एडिटर, HTML वेब पेज की म्ल संरचना, HTML दस्तावेज़ बनाना और सहेजना, वेब ब्राउज़र, कंटेनर और खाली तत्वों का उपयोग करके वेब पेज तक पहुंचना। HTML तत्व, पाठ स्वरूपण तत्व, सूचियाँ, छवियाँ, तालिकाएँ और लिंक सम्मिलित करना।
C	डेटाबेस, एमएस एक्सेस और एसक्यूएल डेटाबेस : आवश्यकता, लाभ, फाईलों की अवधारणा, फ़ील्ड और रिकार्ड, सामान्यीकरण की आवश्यकता, सामान्य फॉर्म। एमएस एक्सेस : विशेषताएं, घटक, डेटा प्रकार, एमएस एक्सेस डेटाबेस के तत्व, डेटाबेस बनाना/खोलना, प्राथमिक कुंजी, प्राथमिक कुंजी सेट करना, डेटाशीट दृश्य और डिज़ाइन दृश्य में तालिका बनाना, तालिकाओं को देखना, संपादित करना और प्रिंट करना। एसक्यूएल : लाभ, डेटा प्रकार, कमांड, क्लॉज, फ़ंक्शन। संचार प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर नेटवर्क : ट्रांसमिशन मीडिया (निर्देशित और अनिर्देशित), वायर्ड/वायरलेस संचार, वाई–फाई, ब्लूटूथ, क्लाउड कंप्यूटिंग (सार्वजनिक और निजी) कंप्यूटर नेटवर्क, नेटवर्किंग और इसकी आवश्यकता, कंप्यूटर नेटवर्क के प्रकार, नेटवर्क मॉडल और उनके प्रोटोकॉल।

	इंटरनेट : इंटरनेट, इंटरनेट का इतिहास, इंटरनेट की कार्यप्रणाली, इंटरनेट आवश्यकताएँ, फ़ायरवॉल, वर्ल्ड वाइड वेब, वेब ब्राउज़र, वेब सर्वर, वेब पोर्टल, वेब साई, खोज इंजन, वेब पता/यूआरएल, वेब पेज, ईमेल की अवधारणा, ब्लॉग, समाचार समूह, ई–मेल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग। इंटरनेट प्रोटोकॉल : टीसीपी/आईपी, एफ़टीपी, टेलनेट, एसएमटीपी, HTTP, HTTPS, POP3। C++ में प्रोग्रामिंग और C++ के माध्यम से डेटा संरचना : OPP अवधारणाएँः ऑब्जेक्ट, क्लास, एनकैप्सूलेशन, डेटा छिपाना/अमूर्तन, वंशानुक्रम/पुनः प्रयोज्यता, बहुरूपता/ओवरलोडिंग। डेटा प्रकार, ऑपरेटर और अभिव्यक्ति, नियंत्रण विवरण और लूप। सारणी (1डी और 2डी) और संरचनाः संरचना चर बनाना, संरचना की सारणी, कार्य करने के लिए संरचना सदस्यों को पास करना। C++ में क्लास और ऑबजेक्ट, क्लास घोषणा, डेटा सदस्य और सदस्य फ़ंक्शन, निजी और सार्वजनिक सदस्य, क्लास के अंदर और बाहर परिभाषित फ़ंक्शन, नेस्टिंग सदस्य फ़ंक्शन, क्लास सदस्य फ़ंक्शन तक पहुंच, स्कोप रिज़ॉल्यूशन का उपयोग (::) ऑपरेटर। क्लास, फ्रेंड फंक्शन, कंस्ट्रक्टर और डिसट्रक्टर में उपयोग किया जाने वाला ऐरे। वंशानुक्रम : आधार वर्ग, व्युत्पन्न वर्ग, दृश्यता मोड, वंशानुक्रम के प्रकार। डेटा संरचना (सी++ के माध्यम से) : डेटा, डेटा आइटम, डेटा संरचना, स्टैक, स्टैक पर पुश और पॉप ऑपरेशन, रैखिक कतार, रैखिक कतार में सम्मिलन और विलोपन, ऐरे सोर्टिंग। विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।

वाणिज्य	
A	<u>व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य :–</u> व्यवसाय एक परिचय, व्यावसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण, व्यावसायिक जोखिम–प्रकृति और कारण <u>व्यावसायिक संगठन के प्रारूप</u> :– एकल स्वामित्व, सयुंक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय, सांझेदारी संगठन, सहकारी समिति, कम्पनी संगठन, व्यावसायिक संगठन के प्रारूप का चयन <u>निजी, सार्वजनिक और वैश्विक उद्यमः</u>– विभागीय उपक्रम, वैधानिक निमग, सरकारी कम्पनी, वैश्विक उद्यम/ बहुराष्ट्रीय कम्पनी, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) <u>व्यावसायिक सेवाएंः</u>– बैंकिग, बीमा, डाक और दूरसंचार सेवाएं। <u>व्यवसाय के उभरते हुए प्रारूप</u> :– ई–कॉमर्स, ई–बिजनेस, <u>व्यवसाय के सामाजिक उत्तरदायित्व</u> :– सामाजिक उत्तरदायित्व, व्यावसायिक नैतिकता <u>प्रबंध की प्रकृति और महत्व</u> :– प्रबंध एक परिचय, प्रबंध की प्रकृति, प्रबंध के स्तर, प्रबंध के कार्य, समन्वय, प्रबंध के सिद्धान्त, टेलर द्वारा वैज्ञानिक प्रबंध के सिद्धान्त, फेयोल द्वारा प्रबंध के

	सामान्य सिद्धान्त व्यावसायिक वातावरण :— व्यावसायिक वातावरण की अवधारणा, व्यावसायिक वातावरण के आयाम, विमुद्रीकरण की अवधारणा नियोजन :— नियोजन की अवधारणा, योजनाओं के प्रकार संगठन :— संगठन एक प्रक्रिया के रूप में, संगठनात्मक संरचना, प्रत्यायोजन और विकेन्द्रीकरण नियुक्तिकरण :— नियुक्तिकरण का अर्थ और महत्व, भर्ती, चयन, प्रशिक्षण और विकास निर्देशन :— महत्व एवं सिद्धान्त, पर्यवेक्षण, अभिप्रेरणा, नेतृत्व, संदेशवाहन नियंत्रण :— नियंत्रण की अवधारणा, नियंत्रण प्रक्रिया, नियंत्रण तकनीक व्यवसायिक वित्त :— वित्तीय प्रबंध, वित्तीय निर्णय, वित्तीय नियोजन, पूंजी संरचना, अचल और कार्यशील पूंजी विपणन और विपणन मिश्रण :— विपणन, विपणन मिश्रण के तत्व
B	लेखांकन का परिचय :— लेखाकंन की अवधारणा, आधारभूत लेखांकन शब्दावली लेखांकन के सैद्धांतिक आधार :— आधारभूत लेखांकन धारणाएं : GAAP, आधारभूत लेखांकन अवधारणाएं, लेखांकन की प्रणालियां, लेखांकन का आधार, लेखांकन मानक, वस्तु और सेवा कर (GST) लेनदेन का अभिलेखन (I) :— व्यावसायिक लेनदेन और स्त्रोत प्रलेख, लेखांकन समीकरण, दोहरी प्रविष्टि प्रणाली, रोजनामचा, खाताबही लेनदेन का अभिलेखन (II) :— रोकड़ बही, सहायक पुस्तकें बैंक समाधान विवरण :— रोंकड़ बही तथा पास बुक के अनुसार बैंक समाधान विवरण तैयार करना तलवट तथा त्रुटियों का सुधारः— तलवट, त्रुटियों का सुधार मूल्यह्रास, प्रावधान और संचय :— मूल्यह्रास, प्रावधान और संचय वित्तीय विवरण समायोजन सहित :— वित्तीय विवरण समायोजन सहित (एकाकी व्यापार के लिए) सांझेदारी के लिए लेखांकन— आधारभूत अवधारणाऍं :— सांझेदारी के मूल सिद्धान्त, सांझेदारी खातों के विशेष पहलू, साझेंदारों के पूंजी खातों का अनुरक्षण, सांझेदारों के बीच लाभ का विभाजन, पूर्व समायोजन , सांझेदार की लाभ की गारंटी सांझेदारी फर्म का पूर्नगठन – नए सांझेदार का प्रवेश :— लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन, ख्याति, नए सांझेदार का प्रवेश, नया लाभ विभाजन अनुपात और त्याग अनुपात, ख्याति का उपचार, संचय, संचित लाभ और हानि का समायोजन, परिसम्पतियों और दायित्वों का पूनर्मूल्यांकन, पूंजी का समायोजन सांझेदारी फर्म का पूर्नगठन— सांझेदार की सेवानिवृति/ मृत्यु :— सेवानिवृत/ मृत सांझेदार को देय राशि का निर्धारण, लाभ विभाजन अनुपात और अधिलाभ अनुपात, ख्याति का उपचार, संचय, संचित लाभ और हानि का समायोजन, परिसम्पतियों और दायित्वों का पूनर्मूल्यांकन, पूंजी का समायोजन, सांझेंदार की मृत्यु सांझेदारी फर्म का विघटनः— सांझेदारी फर्म और सांझेदारी का विघटन, खातों का निपटान और लेखांकन व्यवहार
C	कम्पनी की स्थापनाः— कम्पनी की स्थापना के चरण, कम्पनी की स्थापना में प्रयुक्त दस्तावेज

	<u>व्यवसायिक वित्त के स्त्रौत</u> :— अवधारणा, स्वामित्व कोष और ऋण कोष <u>अंश पूंजी का लेखांकन</u> :— अंश पूंजी का अर्थ, प्रकृति, प्रकार, अंशों की प्रकृति और प्रकार, अंशों को जारी करने तथा जब्ती का लेखांकन <u>ऋणपत्रों का निर्गमन</u> :— ऋणपत्रों का अर्थ, प्रकार, ऋणपत्रों का निर्गमन (उपचार), ऋणपत्र निर्गमन करने की शर्ते, ऋणपत्र पर ब्याज, ऋणपत्र निगर्मन पर छूट/हानि का अभिलेखन <u>कम्पनी के वित्तीय विवरण</u> :— वित्तीय विवरण के प्रकार <u>लेखांकन अनुपात</u> :— लेखांकन अनुपात के प्रकार, अर्थ, उदेश्य, लाभ और सीमाएं <u>रोकड़ प्रवाह विवरण</u> :— रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करने हेतु क्रिया—कलापों का वर्गीकरण, AS3 के अनुसार रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करना <u>कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का अवलोकन</u> :— परिचय, लेखांकन में प्रयोग कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली की विशेषताएं, CAS की सरंचना, सोफ्टवेयर पैकेज : सामान्य, विशिष्ट, अनुरूपित <u>इलैक्ट्रॉनिक्स स्प्रैडसीट के लेखांकन का अनुप्रयोग</u> :— इलैक्ट्रॉनिक्स स्प्रैडसीट की अवधारणा और विशेषताएं, लेखांकन जानकारी उत्पन्न करने में अनुप्रयोग— बैंक समाधान विवरण, सम्पति लेखांकन, ऋण, ऋण का पूनर्भूगतान, अनुपात विशलेषण <u>डाटा प्रतिनिधित्व</u> :— ग्राफ, चार्ट और आरेख <u>कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली</u> :— CAS की स्थापना के चरण, खाता शीर्षो का पदानुक्रम और संहिताक्रम, खातों का निर्माण, डाटा प्रविष्टि, मान्यकरण और सत्यापन, प्रविष्टियों को समायोजित करना, बैलेंस शीट तैयार करना, प्रविष्टियों को बन्द करने खोलने के साथ लाभ हानि खाता, सिस्टम की आवश्यकता और सुरक्षा विशेषताएं <u>एमएसएमईडी और व्यवसायिक उद्यमिता</u> :— एमएसएमईडी अधिनियम 2006 के अनुसार — लघु उद्यम का अर्थ, उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार का अर्थ और प्रकार <u>आंतरिक व्यापार</u> :— थोक व्यापार, खुदरा व्यापार, वस्तु और सेवा कर (GST) <u>अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार</u> :— अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार—एक परिचय, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान और समझौता <u>उपभोक्ता संरक्षण</u> :— उपभोक्ता संरक्षण का परिचय और महत्व, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 (2019 में संशोधन) विषय से संबंधी शिक्षाशास्त्र

भूगोल	
A	भारत का भूगोल— भारत—आकार, अवस्थिति और पड़ोसी देश, प्राकृतिक संरचना और भौतिक विभाजन, जलनिकास, जलवायु और मानसून, प्राकृतिक वनस्पति और जीव जन्तु, प्राकृतिक आपदाएँ और संकट, जल संसाधन, भूमि संसाधन और कृषि, खनिज और ऊर्जा संसाधन, विनिर्माण उद्योग, जनसंख्या—वितरण, घनत्व, वृद्धि, संघटन, मानव आवास—प्रकार, प्रतिरूप और वितरण, परिवहन और संचार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, भारत में आपदाएं और संकट, योजना और सतत विकास भारतीय संदर्भ में चयनित

	मुद्दो और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य, विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।
B	भौतिक भूगोल– भूगोल एक विषय के रूप में, इसका विकास और कार्यक्षेत्र, सौर मण्डल, पृथ्वी की गतियां, पृथ्वी की उत्पति और विकास, महासागर और महाद्वीपों की उत्पति और वितरण, पृथ्वी की आन्तरिक संरचना और संघटन, भू–आकृतिक प्रक्रियाएं स्थलरूप और उनका विकास, वायुमण्डल की संरचना और संघटन, सौर विकिरण, ताप–संतुलन और तापमान, वायुमण्डलीय परिसंचरण और मौसम प्रणाली, वायुमण्डल में जल, विश्व की जलवायु और जलवायु परिवर्तन, समुद्री जल और उसकी गति, जैव विविधना और संरक्षण, विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।
C	मानव भूगोलः– मानव भूगोलः अर्थ, सिद्धान्त, प्रकृति और कार्यक्षेत्र, मानव विकास, आर्थिक क्रियाएं–प्राथमिक, द्वितीयक तृतीयक और चतुर्थक क्रियाएं, विश्व जनसंख्या–वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन, परिवहन और संचार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, विषय संबंधी शिक्षाशास्त्र।

राजनीतिक विज्ञान	
A	<u>राजनीतिक सिद्धान्त</u> :– प्रकृति, दायरा और महत्व, राजनीतिक सिद्धान्त गिरावट और पुनत्थान, राज्य–तत्व और विभिन्न मूल सिद्धान्त, प्रकृति कार्य, समप्रभूता, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, नागरिकता, राष्ट्रवाद, धर्मनिर्पेक्षता, शान्ति, विकास की अवधारणा, सविधानवाद, उपभोक्ता के अधिकार, नारीवाद <u>सरकार के रूप</u> :– लोकतंत्र, तानाशाही, संसदात्मक और अध्यक्षात्मक (ब्रिटेंन, भारत और अमेरिका), एकात्मक, संघीय (ब्रिटेंन, भारत और अमेरिका) <u>लोकतंत्र</u> :– विभिन्न अवधारणा, विभिन्न प्रकार, लोकतंत्र के विभिन्न सिद्धान्त, पद्धति और प्रतिनिधित्व, लोकतंत्र के लिए संघर्ष विभिन्न आदोंलन, लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियां, असमानता, निर्धनता, आर्थिक प्रगति और विकास , अनपढ़ता , भाषावाद और क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिक्ता और जातिवाद, अलगाववाद, राजनीतिक शोषण, राजनीतिक एकीकरण, लिंग समस्याएं, धर्म समस्याएं
B	<u>भारतीय सविधानः</u>– सविधानिक विकास, सविधान की निर्माण प्रकिया, स्त्रोत, विशेषताएं, प्रस्तावना, राजनीतिक दर्शन, नागरिकता, मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त, संघ कार्यकारी राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रीपरिषद, संघीय विधायिका, मंत्री परिषद की सरंचना, प्रकिया, संध विधायिका सरंचना और कानून निर्माण प्रक्रिया, समितियां, सविधान संशोधन प्रक्रिया, सविधान का राजनीतिक और आर्थिक दर्शन, राज्य विधानसभा <u>भारतीय न्याय पालिका</u> :– सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक पुनः निरीक्षण, जनहित याचिका, सूचना

	का अधिकार, संघवाद, संघ और कार्य प्रणाली व सम्बन्ध, नीति आयोग, 73 वां संशोधन पंचायतीराज अधिनियम, 74 वां संशोधन शहरी शासन अधिनियम चुनाव आयोग, स्थानीय सरकार, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव सुधार, दलबदल की राजनीति, भारत में पार्टी प्रणाली, राष्ट्रीय और प्रान्तीय सरकार, दबाव समूह, हित समूह, गठबंधन सरकार, आरक्षण की राजनीति
C	अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध और राजनीति :– अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का मूल्यांकन और विभिन्न आयाम, राष्ट्र शक्ति, राष्ट्र हित, शक्ति संतुलन, सामुहिक सुरक्षा, विश्व सरकार, नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली, विश्व व्यापार संगठन सयुंक्त राष्ट्र संघ :– अंग और मूल्याकंन, सयुंक्त राष्ट्र संघ की विशेष शाखाएं, सुरक्षा परिषद की भूमिकाएं, सयुंक्त राष्ट्र संघ के सचिव की भूमिका, सयुंक्त राष्ट्र संघ में जनतान्त्रीकरण, राष्ट्र संघ और एक ध्रुवीय विश्व, सयुंक्त राष्ट्र संघ और समकालिन विश्व में सुरक्षा, सयुंक्त राष्ट्र और मानवाधिकार, भारत की विदेश नीति :– मूल सिद्धान्त, भारत और पड़ोसी देश (पाकिस्तान, भूटान, बाग्लादेश, श्रीलंका और चीन), भारत और सयुंक्त राष्ट्र संघ के सम्बन्ध, भारत अमेरिका सम्बन्ध, भारत रूस सम्बन्ध, शीत युद्ध का दौर, शीत युद्ध और पूर्व शीत युद्ध, गुटनिर्पेक्षता और उसका महत्व, दो ध्रुवीयता का अन्त, नई विश्व व्यवस्था, यूरोपियन यूनियन, दक्षिण एशिया क्षेत्रिय सहयोग संगठन (सार्क), दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों का समूह (आसियान), विश्व व्यापार संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, G20 में भारत की भूमिका, समूह 20, संघाई सहयोग संगठन (ब्रिक्स ब्राजिल, रूस, भारत और चीन), भारत की सुरक्षा रणनीति, भारत की परमाणु नीति, निरस्त्रीकरण, वैश्वीकरण, पर्यावरण, अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र

इतिहास	
A	प्राचीन भारतः प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, प्रागैतिहासिक सभ्यताएँ आखेटक–संग्रहक से नव पाषाण क्रान्ति। हडप्पा सभ्यता पुरास्थल एवं प्रमुख विशेषताएँ इत्यादि। धार्मिक प्रवृतियाँ वैदिक, बौद्ध एवं जैन आधारभूत तथ्य एवं तुलना। महाजनपद काल राजनीति एवं अर्थव्यवस्था, मौर्य साम्राज्य प्रशासन एवं नीतियाँ। विदेशी आक्रमण एवं उनको भारतीय संस्कृति में समावेश। उत्तर मौर्य–कालीन राज्य एवं भारत में राजनैतिक विकास। दक्षिणी राज्य चालुक्य, पल्लव एवं चोल। प्राचीन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य व्यापार एवं मुख्य व्यापारिक मार्ग, शहरीकरण। गुप्त एवं वर्धन–साम्राज्य सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन, अर्थव्यवस्था, प्रशासन इत्यादि। विश्व में भारतीय संस्कृति का प्रसार। कला एवं स्थापत्य प्राचीन काल से उत्तर गुप्त काल तक।
B	मध्यकालीन भारतः मध्यकालीन भारत के स्त्रोत (700 ई0 से 1750 ई0) पूर्व मध्यकाल में शासक एवं राजवंश (700ई0 से 1200ई0) त्रिपक्षीय संघर्ष पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट, राजा दाहिर और अनंगपाल, सुहलदेव एवं पृथ्वीराज चौहान। दिल्ली सल्तनत एवं मुगल

	प्रशासन एवं नीतियाँ, विजयनगर– साम्राज्य, छत्रपति–शिवाजी एवं मराठा, मध्यकालीन कला एवं स्थापत्य, भाषाएँ एवं साहित्य इत्यादि। सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन (भक्ति, सूफी, सिख गुरू परम्परा, नयनार, अलवार इत्यादि) व्यापार एवं वाणिज्य, कला एवं स्थापत्य, शहरी केन्द्र, मध्यकालीन भारत के दौरान कृषि प्रधान समाज।
C	<u>आधुनिक भारतः</u> आधुनिक भारत के स्रोत, अठारहवीं शताब्दी में भारत, यूरोपियन कंपनी और बंगाल व अन्य भारतीय राज्यों में उनका संघर्ष। भू–राजस्व व्यवस्था में परिवर्तन एवं आरंभिक भारतीय प्रतिरोध। 1857 की क्रान्ति कारण, घटनाएँ, स्वरूप एवं परिणाम। अठाहरवीं शताब्दी में भारतीय पुर्नजागरण महिला एवं निम्न जाति–मुक्ति। ब्रिटिश शिक्षा नीति, उपनिवेशीकरण और स्वदेशी वस्त्र उद्योग पर इसका प्रभाव, औद्यौगीकरण का उद्य। औपनिवेशिक काल के दौरान शहरीकरण एवं स्थापत्य। राष्ट्रवाद का उद्य, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (1885–1947), स्वतंत्रता एवं विभाजन में गांधी जी, नेता जी एवं आजाद हिन्द फौज की भूमिका। भारतीय संविधान का निर्माण, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में हरियाणा की भूमिका। भारतीय स्वतंत्रता के 50 वर्ष।
D	<u>विश्व इतिहासः</u> मानव विकास का इतिहासः होमो–सेपियंस का उद्गम, प्रागैतिहासिक मानव इतिहास, औजार इत्यादि। मेसोपोटामिया, मिश्र, यूनान और रोमन सभ्यताएँ। इस्लाम का उद्यः खलीफा, धर्मयुद्ध और कन्फयुशियसवाद, यहुदि और पारसी दर्शन। चंगेज खाँ और मंगोल साम्राज्य। मध्यकाल के दौरान यूरोप में सामंतवाद। यूरोप के सामाजिक व राजनीतिक जीवन में चर्च की भूमिका। यूरोपियन पुर्नजागरण मध्यकालीन यूरोप में शहरी केन्द्रों का विकास। माया सभ्यता और इंका सभ्यता। सत्रहवीं और उन्नसवी शताब्दी के दौरान यूरोप में राष्ट्रवाद। इण्डो–चीन में राष्ट्रवाद। उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद, जापान और चीन में आधुनिकीकरण यूरोपियन उपनिवेश से साम्यवादी राज्य तक। विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।

अर्थशास्त्र	
A	<u>अर्थशास्त्र</u> :– अर्थ, परिभाषाएँ, क्षेत्र, आर्थिक समस्याएँ, उत्पादन संभावना तक <u>आंकड़ा संकलन</u> :– आंकड़ों के स्त्रोत, आंकड़ें संकलन की विधियाँ, राष्ट्रीय पतिदर्श सर्वेक्षण संस्थान (एन. एस. एस. ओ.) भारत की जनगणना <u>आंकड़ा प्रस्तुतीकरण</u> :– ज्यामितिय विधियां (दण्ड आरेख तथा वृतचित्र), आवृति रेखाचित्र (आयतचित्र, बहुभुज, ओजाईव वक्र, तोरण वक्र), अंकगणित रेखा ग्राफ (समय श्रृंखला ग्राफ) <u>केन्द्रीय प्रवृति के माप</u> :– समांतर माध्य (साधारण एवं भारित), हरात्मक माध्य, ज्यामितिय माध्य, माध्यिका, बहुलक, दशमक, चतुर्थक, शतमक <u>परीक्षेपण के माप</u> :– परास, चतुर्थक, विचलन, माध्य विचलन, प्रमाप विचलन, सापेक्ष

	परिक्षेपण के माप सहसंबंध :– प्रकीर्ण आरेख, कार्ल पियरसन (कार्ल पियर्सन विधि), स्पीयरमैन श्रेणी सह संबंध विधि, समवर्ती विचलन विधि सूचकांक :– अर्थ, सूचकांक के प्रकार, सूचकांक के प्रयोग, उपभोक्ता कोमत सूचकांक, थोक कीमत सूचकांक, ए.आई.सी.पी.आई.एम.– विभिन्न अखिल भारतीय उपभोक्ता कीमत सूचकांक, समय उत्क्रमण परीक्षण (टाईप रिवर्सल टेस्ट) तथा कारक उत्क्रमण परिक्षण (फैक्चर रिवर्सल टेस्ट), आधार वर्ष स्थानान्तरण स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थ व्यवस्था स्वतंत्रता पूर्व तथा स्वतंत्रता उपरान्त भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ । आर्थिक नियोजन :– अर्थ, योजना आयोग, भारतीय आर्थिक नियोजन की विशेषताएँ, पंचवर्षीय योजनाएँ, पंचवार्षीय योजनाओं की सफलता तथा असफलताएँ, हरित क्रान्ति, नीति आयोग नए आर्थिक सुधार :– नई आर्थिक नीति–1991, एल. पी. जी. (उदारवाद, नीतिकरण तथा वैश्वीकरण)
B	निर्धनता :– निर्धनता के प्रकार, भारत में निर्धनता का संख्यात्मक विश्लेषण, निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम (योजनाएँ) ग्रामीण विकास :– ग्रामीण विकास हेतु विभिन्न योजनाएँ तथा कार्यक्रम, कृषि साख, सहकारी बैंक, कृषि विपणन, नाबार्ड रोजगार :– अर्थ, बेरोजगारी के प्रकार, रोजगार संवर्धन योजनाएँ अवसंरचना :– उर्जा, परिवहन तथा संचार, सिचाई, स्वास्थ्य, वित्तीय संस्थाएँ धारणीय विकास (सतत् विकास) :– अर्थ, धारणीय विकास का माप, विकास में पर्यावरण की भूमिका, पर्यावरण प्रदूषण (जी. डी. पी.) एकल घरेलु उत्पाद :– राष्ट्रीय आय की अवधारणा, मानव विकास सूचकांक, एच. पी. आई. सूचकांक (मानव गरीबी सूचकांक), जीवन की भौतिक गुणवता सूचकांक (PQLI) व्यष्टि अर्थशास्त्र :– परिभाषाएँ, प्रकृति तथा क्षेत्र, सीमितताएँ आर्थिक समस्याएँ (केन्द्रीय समस्याएँ) :– अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ, उत्पादन संभावना वक्र तथा इसके अनुप्रयोग, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था, मिश्रित अर्थव्यवस्था, समाजवादी अर्थव्यवस्था, अवसर लागत उपभोक्ता व्यवहार :– उपयोगिता विश्लेषण– गणनावाचक तथा क्रमवाचक, कीमत रेखा (बजट रेखा), तटस्था वक्र तथा इसकी विशेषताएँ, तटस्था वक्र के अनुप्रयोग, उपभोक्ता संतुलन, प्रतिस्थापन सीमांत दर (MRS)

	माँग विश्लेषण :– माँग का नियम, सामान्य निम्नकोटि तथा गिफ्फन वस्तुएँ, निर्धारक तत्व, माँग के अपवाद, कोमत प्रभाव, आय प्रभाव तथा प्रतिस्थापन प्रभाव, हिक्स तथा स्लटस्की के सिद्धान्त, प्रकट वरीयता सिद्धान्त माँग की लोच :– माँग की लोच की श्रेणियां, प्रकार तथा माप, माँग की कीमत लोच तथा माँग की आय लोच का महत्व उत्पादन फलन :– मूल अवधारणाएँ, पैमाने के प्रतिफल के नियम, कारक के प्रतिफल के नियम, पैमाने की बचतें एवं हानियाँ, तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर लागत :– लागत के परंपरावादी तथा आधुनिक सिद्धान्त, लागत की अवधारणाएँ, अल्पकाल तथा दीर्घकाल लागतें, विभिन्न लागत वक्र के मध्य परस्पर संबंध
C	राजस्व :– राजस्व की अवधारणाएँ एवं उनके मध्य अतर्संबंध । बजार :– पूर्व प्रतियोगिता, फर्म तथा उद्योग का संतुलन, पूर्ति वक्र, बाजार कीमत तथा सामान्य कीमत, नियंत्रण मूल्य तथा समर्थन मूल्य, खाद्य–उपलब्धता के गिरावट सिद्धान्त एकाधिकार, एकाधिकारी प्रतियोगिता तथा अल्पाधिकार :– विशेषताएँ अल्पाधिकार तथा अधिकार के विभिन्न मॉडल के मध्य तुलना समष्टि अर्थशास्त्र :– प्रकृति, क्षेत्र तथा सीमितताएँ, स्टॉक तथा प्रवाह आय का चक्रीय प्रवाह, वास्तविक तथा मौद्रिक प्रवाह, दो, तीन तथा चार क्षेत्रीय मॉडल रिसाव तथा समावेशन राष्ट्रीय आय :– राष्ट्रीय आय संबन्धित समुच्चय, आय विधि, उत्पाद विधि, व्यय विधि, राष्ट्रीय आय लेखांकन, मौद्रिक राष्ट्रीय आय, वास्तविक सकल घरेलु उत्पाद, सकल राष्ट्रीय उत्पाद अपस्कायक मुद्रा :– मुद्रा का अर्थ एवं परिभाषाएँ, निकट मुद्रा अवधारणा, मुद्रा के कार्य, मुद्रा पूर्ति के निर्धारित तत्व, भारतीय रिजर्व बैंक तथा मौद्रिक मुद्रा पूर्ति के नियंत्रण में बैंक की भूमिका, केन्द्रीय बैंक के एकल वाणिज्यिक बैंक के कार्य, साख निर्माण उत्पादन एवं रोजगार का निर्धारण :– समग्र माँग तथा समग्र पूर्ति विश्लेषण, सीमांत उपभोग प्रवृति, औसत उपभोग प्रवृति, औसत बचत प्रवृति, सोमान्त वचत प्रवृति, पूंजी की सीमान्त कुशलता, पूर्ति कीमत, अनुमानित आय, रोजगार का परंपरावादी तथा केंजीमन सिद्धान्त, उपभोग परिकल्पनाएँ निवेश गुणक :– अर्थ, सीमान्त अपभोग प्रवृति तथा गुणक, गुणक के आगामी तथा प्रतिगामी क्रिया विधि, स्थैतिक एवं गत्यात्मक गुणक न्यून एवं अधिमाँग :– मुद्रा सांकेतिक अन्तराल, न्यून एवं अधिमाँग की समस्या को नियंत्रित करने के उपाय, मौद्रिक नीति की भूमिका, राजकोषीय नीति तथा विदेशी व्यापार नीति

	सरकारी बजट :– बजट का अर्थ, उदेश्य एवं सरंचना, बजट प्राप्तियाँ, कर एवं करेतर (गैर कर) प्राप्तियाँ, बजट व्यय, बजट घाटा– अर्थ, प्रकार तथा माप, घाटे की वित्त व्यवस्था, संतुलित बजट विदेशी विनियम दर :– अर्थ, प्रकार, विनियम दर, सिद्धान्त, भुगतान संतुलन, सरंचना एवं घटक, भुगतान संतुलन में असंतुलन, प्रतिकूल भुगतान, संतुलन को ठीक करने के उपाय, नियोजन काल में व्यापार संतुलन, भुगतान संतुलन प्रवृतियाँ

गणित	
A	अंकगणित, बीजगणित और त्रिकोणमितिः वास्तविक संख्या प्रणाली और उसका विश्लेषण, समांतर श्रेणी, बहुपद, दो चरों वाले रैखिक समीकरण, द्विघात समीकरण, त्रिकोणमिति का परिचय और ऊंचाई और दूरियां खोजने के लिए उसका अनुप्रयोग। ज्यामिति और क्षेत्रमितिः यूक्लिड की ज्यामिति, रेखाएं और कोण, त्रिभुजों की सर्वांगसमता और समरूपता, चतुर्भुज, वृत्त, हीरोन का सूत्र, वृत्तों से संबंधित क्षेत्रफल, ठोसों के संयोजन का पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन। सांख्यिकी और प्रायिकताः दंड आरेख, आयतचित्र, बारंबारता बहुभुज, केन्द्रीय प्रवृति के मापः माध्य, माध्यक, बहुलक और प्रकीर्णन के मापः वर्गीकृत तथा अवर्गीकृत आंकड़ों के लिए सीमा, माध्य विचलन, प्रसरण तथा मानक विचलन, प्रायिकता का सैद्धान्तिक (अभिगृहीतीय) दृष्टिकोण, सप्रतिबंध प्रायिकता, प्रायिकता गुणन नियम, स्वतंत्र घटनाएँ, बेज–प्रमेय, संपूर्ण प्रायिकता की प्रमेय
B	सम्मिश्र संख्याएँ और द्विघात समीकरण, आर्गंड तल, रैखिक असमिकाएं, रैखिक प्रोगामन समस्या और उसका गणितीय सूत्रीकरण, क्रमचय और संचय, द्विपद प्रमेय, पास्कल त्रिभुज, अनुक्रम तथा श्रेणी (गुणोत्तर श्रेणी) समांतर माध्य तथा गुणोत्तर माध्य के बीच संबंध, आव्यूह तथा उसके प्रकार, आव्यूहों पर संक्रियाएं, आव्यूह का परिवर्त, सममित तथा विषय सममित आव्यूह, व्युत्क्रमणीय आव्यूह, एक, दो व तीन कोटि के आव्यूह का सारणिक, सारणिक द्वारा त्रिभुज का क्षेत्रफल, उपसारणिक और सहखंड, आव्यूह के सहखंडन और व्यूतक्रम, आव्यूहों के व्यूतक्रम द्वारा रैखिक समीकरणों के निकाय का हल।
C	गणना : सीमा का सहजानुभूत बोध, बहुपद फलन, परिमेय फलन, त्रिकोणमीतिय, घातीय और लघुगणकीय फलनो की सीमाएं, सांतत्य और अवकलनीयता की परिभाषा, संतत तथा अवकलनीय फलनों का बीजगणित, अवकलनीयता की परिभाषा, बहुपद फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों, संयुक्त फलन, अस्पष्ट फलनों, प्रतिलोम त्रिकोणमितीय फलनों के अवकलज, श्रंखला नियम, चरघातांकी तथा लघुगणकीय फलनों के अवकलज, लघुगणकीय अवकलन फलनों के प्राचलिक रूपों के अवकलज, द्वितीय कोटि अवकलज, राशियों की परिवर्तन की दर, अवकलज के अनुप्रयोग, वर्धमान और ह्रासमान फलन, उच्चतम और निम्नतम समाकलन की

	प्रक्रिया, समाकलन की विभिन्न विधियाँ, कलन की आधारभूत प्रमेय, प्रतिस्थापन द्वारा निश्चित समाकलनों का मान ज्ञात करना, निश्चित समाकलनों के गुणधर्म, समाकलन के अनुप्रयोग, साधारण वक्रों के अंतर्गत क्षेत्रफल। सदिश तथा निर्देशांक ज्यामिति – द्वि–विमीय तथा त्रि–विमीय निदेशांक ज्यामिति, सरल रेखाएँ, शंकु के परिच्छेद (वृत्त, दीर्घ वृत्त, परवलय और अतिपरवलय, एक बिन्दु, एक सरल रेखा तथा प्रतिच्छेदी रेखाआं का एक युग्म, शंकु परिच्छेद अपभ्रष्ट के रूप में), त्रिविमीय अंतरिक्ष में निर्देशांक तथा निर्देशांक तल, दो बिन्दुओं के बीच की दूरी, सदिश की परिभाषा, स्थिति सदिश, दिक् कोसाइन। सदिश के प्रकार, सदिशों का योगफल, एक अदिश से सदिश का गुणन, एक सदिश के घटक, दो बिन्दुओं को मिलाने वाला सदिश, विभाजन सूत्र, दो सदिशों का अदिश गुणनफल, रेखा के दिक् कोसाइन तथा दिक् अनुपात, अंतरिक्ष में रेखा का समीकरण, दो रेखाओं के मध्य कोण, दो रेखाओं के मध्य न्यूनतम दूरी। विषय संबंधी शिक्षा शास्त्र।

मनोविज्ञान	
A	मन एवं व्यवहार की समझ; मनोविज्ञान विद्या शाखा की प्रसिद्ध धारणनाएं; मनोविज्ञान का उद्भव; भारत में मनोविज्ञान का विकास; मनोविज्ञान की शाखाएं; मनोविज्ञान एवं अन्य विद्या शाखाएं; दैनंदिन जीवन में मनोविज्ञान। मनोविज्ञान में जांच की विधियां; मनोवैज्ञानिक जांच के लक्ष्य; मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के चरण; अनुसंधान के वैकल्पिक प्रतिमान; मनोवैज्ञानिक प्रदत का स्वरूप; मनोविज्ञान की कुछ महत्वपूर्ण विधियां– प्रेक्षण विधि, प्रायोगिक विधि, सहसंबंधात्मक अनुसंधान, सर्वेक्षण अनुसंधान, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, व्यक्ति अध्ययन, प्रदत विश्लेषण; परिमाणात्मक विधि, गुणात्मक विधि, मनोवैज्ञानिक जांच की सीमाएं; नैतिक मुद्दे। संवेदी, अवधानिक एवं प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएं– जगत का ज्ञान; उद्दीपक का स्वरूप एवं विविधता; संवेदन प्रकारताएं; ज्ञानेंद्रियों की प्रकार्यात्मक सीमाएं; अवधानिक प्रक्रियाएं– चयनात्मक अवधान, संधृत अवधान, प्रात्यक्षिक प्रक्रियाएं; प्रत्यक्षण के प्रक्रमण उपागम; प्रत्यक्षणकर्ता, प्रात्यक्षिक संगठन के सिद्धांत– स्थान, गहनता तथा दूरी प्रत्यक्षणः एक नेत्री संकेत एवं द्विनेत्री संकेत, प्रात्यक्षिक स्थैर्य; भ्रम; प्रत्यक्षण पर सामाजिक–सांस्कृतिक प्रभाव। अधिगमः– अधिगम का स्वरूप; अधिगम के प्रतिमान; प्राचीन अनुबंधनः प्राचीन अनुबंधन के निर्धारक, क्रिया प्रसूत/नैमित्तिक अनुबंधन; क्रिया प्रसूत अनुबंधन के निर्धारक, प्रमुख अधिगम प्रक्रियाएं– प्रेक्षणात्मक अधिगम; संज्ञानात्मक अधिगम; वाचिक अधिगम; कौशल अधिगम; अधिगम को सुगम बनाने वाले कारक; अधिगम अशक्तताएं। मानव स्मृतिः– स्मृति का स्वरूप; सूचना प्रक्रमण उपागमः अवस्था मॉडल; स्मृति तंत्रः संवेदी, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्मृतियां; प्रक्रमण स्तर; दीर्घकालिक स्मृति के प्रकार– प्रक्रिया मूलक एवं घोषणात्मक, घटनापरक एवं आर्थी स्मृति, विस्मरण के स्वरूप एवं कारणः चिन्ह ह्रास, अवरोध एवं पुनरुद्धार की असफलता के कारण

	विस्मरण, स्मृति वृद्धिः प्रतिमाओं के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत, संगठन के उपयोग से स्मृति सहायक संकेत।
B	मानव विकासः– विकास का अर्थ; विकास का जीवन पर्यंत परिप्रेक्ष्य; विकास को प्रभावित करने वाले कारक; विकास का संदर्भ; विकासात्मक अवस्थाओं की समग्र दृष्टि– प्रसवपूर्व अवस्था, शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था की चुनौतियां, प्रौढ़ावस्था एवं वृद्धावस्था। चिंतनः– चिंतन का स्वरूप; चिंतन के आधारभूत तत्व; चिंतन की प्रक्रिया; समस्या समाधान; तर्कना; निर्णयन; सृजनात्मक चिंतन का स्वरूप एवं प्रक्रिया– सृजनात्मक चिंतन का स्वरूप, सृजनात्मक चिंतन की प्रक्रिया, विचार एवं भाषा– भाषा एवं भाषा के उपयोग का विकास। अभिप्रेरणा एवं संवेगः– अभिप्रेरणा का स्वरूप; अभिप्रेरणा के प्रकार– जैविक अभिप्रेरक, मनोसामाजिक अभिप्रेरक, मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम; संवेगों का स्वरूप; संवेगों की अभिव्यक्तिः संस्कृति एवं संवेगात्मक अभिव्यक्ति, संस्कृति एवं संवेगों का नामकरण, निषेधात्मक संवेगों का प्रबंधन; विध्यात्मक संवेगों में वृद्धि। आत्म एवम् व्यक्तित्व– आत्म का संप्रत्यय; आत्म के संज्ञानात्मक एवम् व्यवहारात्मक पक्ष; संस्कृति एवम् आत्म; व्यक्तित्व का संप्रत्यय; व्यक्तित्व के अध्ययन के प्रमुख उपागमः प्रारूप उपागम, विशेषक उपागम, मनोगतिक उपागम, व्यवहारवादी उपागम, सांस्कृतिक उपागम, मानवतावादी उपागम; व्यक्तित्व का मूल्यांकनः आत्म–प्रतिवेदन माप, प्रक्षेपी तकनीक, व्यवहारपरक विश्लेषण। दबाव– दबाव का मनोवैज्ञानिक प्रकार्य एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव– दबाव एवं स्वास्थ्य, सामान्यानुकूलन सिद्धांत, दबाव तथा प्रतिरक्षकतंत्र, जीवनशैली; दबाव का सामना करना– दबाव प्रबंधन तकनीक; सकारात्मक स्वास्थ्य तथा कुशल क्षेम का उन्नयन– जीवन कौशल, सकारात्मक स्वास्थ्य।
C	मानव प्रकार्यों में व्यक्तिगत भिन्नताएं– बुद्धि, बुद्धि के सिद्धांत– बुद्धि का एक कारक सिद्धांत, बुद्धि का द्वि–कारक सिद्धान्त, प्राथमिक मानसिक योग्यताओं का सिद्धांत, बुद्धि संरचना मॉडल, बहु–बुद्धि का सिद्धांत, बुद्धि का त्रिचापीय सिद्धांत, बुद्धि का पास मॉडल; बुद्धि में व्यक्तिगत भिन्नताएं; संस्कृति तथा बुद्धि; सांवेगिक बुद्धि; विशिष्ट योग्यताएं– अभिक्षमता स्वरूप एवं मापन; सृजनात्मकता। मनौवैज्ञानिक विकार– अपसामान्यता तथा मनोवैज्ञानिक विकार के संप्रत्यय; ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, मनोवैज्ञामिक विकारों का वर्गीकरण; अपसामान्य व्यवहार के अंतर्निहित कारक; प्रमुख मनोवैज्ञानिक विकार– दुश्चिंता विकार– सामान्यकृत दुश्चिंता विकार, आतंक विकार, दुर्भीति, मनोग्रस्ता–बाध्यता विकार, अभिघातज उत्तर दबाव विकार, कायरूप विकार, पीड़ा विकार, काय–आलंबिता विकार, परिवर्तन विकार, स्वकाय–दुश्चिंता विकार, विच्छेद विकार, भावदशा विकार, मनोविदलन विकार, व्यवहारात्मक एवं विकासात्मक विकार, द्रव्य सेवन संबंध विकार। चिकित्सा उपागम– मनश्चिकित्सा की प्रकृति एवं प्रक्रिया, चिकित्सात्मक संबंध, चिकित्सा के प्रकार– व्यवहार चिकित्सा, संज्ञानात्मक चिकित्सा, संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा, मानवतावादी अस्तित्वपरक चिकित्सा, वैकल्पिक चिकित्सा, मानसिक रोगियों का पुनः स्थापन।

	अभिवृत्ति एवं सामाजिक संज्ञान– सामाजिक व्यवहार, अभिवृति की प्रकृति एवं घटक, अभिवृति निर्माण, अभिवृति परिवर्तन, अभिवृति व्यवहार संबंध, पूर्वाग्रह एवं भेदभाव, पूर्वाग्रह नियंत्रण की युक्तियां। सामाजिक प्रभाव एवं समूह प्रक्रम– समूह की प्रकृति एवं इसका निर्माण; समूह के प्रकार; व्यक्ति के व्यवहार पर समूह प्रभावः सामाजिक अधिगम; सामाजिक स्वैराचार; समूह ध्रुवीकरण; शिक्षा शास्त्र से सम्बन्धित विषय।

गृह विज्ञान	
A	आहार, उसके कार्य, पोषण, पोषक तत्व, स्वास्थ्य, पोषण स्तर, कुपोषण, आहार एवं व्यक्तिगत स्वच्छता व साफ–सफाई, संतुलित आहार, खाद्य वर्ग, आहार आयोजन, नैदानिक पोषण एवं आहारिकी, जनपोषण तथा स्वास्थ्य, परिवार, समूह व समुदाय के स्वास्थ्य मानकों का ज्ञान, जीवन–चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में पोषण एवं जन कल्याण, जनपोषण तथा स्वास्थ्य, भारत के प्रमुख पोषण संबंधी कार्यक्रम, खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी, खाद्य–संरक्षण, खाद्य की गुणवता एवं सुरक्षा, भारत में खाद्य मानक नियमन, शोध और व्यापार से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय संस्थान और समझौते, खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणलियां।
B	वृद्धि व विकास की अवधारणा, वृद्धि व विकास को प्रभावित करने वाले कारक, सिद्धान्त, खेल, जीवन चक्र को विभिन्न अवस्थाएँ, आयु विशेष से सम्बन्धित विकास के मानक (जन्म से 3 साल) – क्रियात्मक, सामाजिक, संवेगात्मक, ज्ञानात्मक, भाषात्मक, स्वयं को समझना– किशोरावस्था, शैशवावस्था प्रारम्भिक बाल्यावस्था– देखभाल एवं शिक्षा, बच्चों, युवाओं तथा वृद्धजनों के लिए सहायक सेवाओं, संस्थाओं और कार्यक्रमों का प्रबंधन, युवा एवं वृद्धजन, परिवार–प्रकार, कार्य एवं व्यक्ति के समग्र विकास में इसका महत्व, पारिवारिक संसाधन–प्रकार एवं विशेषताएँ–समय प्रबंधन, ऊर्जा–प्रबंधन, धन–प्रबंधन, कार्य–सरलीकरण, कूडा–कचरा निस्तारण, आतिथ्य प्रबंधन, उपभोक्ता शिक्षा एवं संरक्षण, सुरक्षा के उपाय एवं आपातकालीन स्थितियों में प्रबंधन, प्राथमिक सुरक्षा।
C	तन्तु– वर्गीकरण एवं विभिन्न तन्तुओं की विशेषताए, कपड़ा विर्निमाण की विधियाँ, सूत प्रसंस्करण, वस्त्र हमारे आस–पास, भारत के वस्त्र परंपराएँ, परिधान–कार्य, महत्त्व व विभिन्न आयुवर्ग के लिए परिधानों का चुनाव, घर एवं संस्थाओं में वस्त्रों की देखभाल एवं रख–रखाव, दाग–धब्बे छुड़ाने की प्रक्रिया, कपड़े व परिधान के डिजाईन, फैशन डिजाईन व व्यापार, गृह–विज्ञान की संकल्पना व मूल अवधारणा, गृह–विज्ञान का कार्यक्षेत्र व सम्भावनाएँ एवं गृह–विज्ञान ने नए उभरते विकल्प, संचार–माध्यम एवं प्रौद्योगिकी, कार्य, आजीविका व जीविका, उद्यमी व उद्यमिता, विकास संचार तथा पत्रकारिता, सूचना एवं संचार–प्रौद्योगिकी, कॉर्पोरेट संचार और जनसंपर्क। विषय से संबंधित शिक्षा शास्त्र।

ललित कला	
A	कला का परिचय, कला के सिद्धान्त, कला के षड़ांग, संस्कृति में कला का महत्व।
B	कला के पारम्परिक तथा आधुनिक तकनीक, कला की प्रक्रियाएँ (चित्रकला, मूर्तिकला, (प्रयुक्त कला) applied art, Mural (भित्ती चित्रण) तथा Multimedia बहुमाध्यमिक कला) परिप्रेक्ष्य, भारतीय लोक कला।
C	भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तथा इसका विकास, भारतीय कला का इतिहास तथा प्रागैतिहासिक काल से समकालीन काल तक applied art (प्रयुक्त कला), वास्तुकला तथा ग्राफिक समेत सबका विकास। शिक्षाशास्त्र से सम्बन्धित विषय।

	Music
A)	परिभाषाएँः– ध्वनि, नाद (आहत नाद, अनाहत नाद), मींड, कण, मुर्की, खटका, आलाप, तान, वादीस्वर, सम्वादी स्वर, अनुवादी स्वर, विवादी स्वर, वर्जित स्वर, आरोह, अवरोह, पकड़ स्थाई, अन्तरा, सम, ताली, खाली, विभाग, आवर्तन न्यास, निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्ध स्वर, विकृत स्वर, लय, ताल। उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धतिः– उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में समानाताएँ वा विभिन्नताएँ, उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में स्वर और ताल में विभिन्नताएँ, उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति के आविष्कारक कौन थे, दोनों पद्धतियों की गायन शैलियों के नाम। जीवन परिचयः– पं0 जसराज, किशोरी आमोनकर, पं0 विष्णु दिगम्बर प्लुस्कर, पं0 शारंगदेव, ओमकार नाथ ठाकुर, बड़े गुलाम अली खाँ, लता मंगेशकर, तानसेन, सदारंग–अदारंग, बैजूबावरा, सभी संगीतकारों का संगीत जगत में योगदान सहित सम्पूर्ण परिचय। ग्रामः– ग्राम का शाब्दिक अर्थ एवं परिभाषा, ग्राम के प्रकार (षड़ज ग्राम, मध्यम ग्राम, गन्धार ग्राम), मुर्च्छना का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा, मुर्च्छना के लक्ष्ण, मुर्च्छना और आरोह में अन्तर, मुर्च्छना के प्रकार, षड़ज, मध्यम और गन्धार ग्राम की मुर्च्छनाओं के नाम। रागों का समय सिद्धान्तः– कोमल रे ध वाले रागों का समय निर्धारण अथवा सन्धि प्रकाश(राग), शुद्ध रे ध वाले राग का समय निर्धारण, कोमल ग नी वाले राग का समय निर्धारण, मध्यम के प्रयोग से समय निर्धारण (अर्ध्वदर्शक स्वर का नियम), वादी–सम्वादी से समय निर्धारण, पूवांग और उतरांग प्रबल राग, ऋतुओं के अनुसार समय निर्धारण। थाट–राग गायक तथा वाग्गेयकारः– थाट की परिभाषा, उनके नाम, थाट के नियम, 10 थाटों में लगने वाले स्वर, राग की परिभाषा व नियम, राग और थाट में अन्तर, गायकों के गुण और अवगुण, वाग्गेयकार की परिभाषा तथा विशेषताएँ। निम्नलिखित रागों का पूर्ण शास्त्रीय परिचयः–भूपाली, भैरव, भैरवी, यमन, भीमप्लासी, वृन्दावनी साँरग, खमाज, आसावरी, जौनपुरी, यमन, देश, बिहाग। उपरोक्त रागों में थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी–सम्वादी स्वर प्रकृति, समप्रकृति राग, आरोह, अवरोह, पकड़ के स्वर तथा विशेषताएँ। तानपुरा का परिचयः– तानपुरे का अर्थ, तानपुरे की बनावट और तानपुरे के अंगों के नाम, तानपुरे की तारों को किन–2 सुरों में मिलाया जा सकता है, तानपुरे को किस तरह से बैठकर बजाया जा सकता है। संगीत ग्रंथः–नाट्यशास्त्र, संगीतरत्नाकर और संगीत परिजात ग्रन्थ में कितने अध्याय संगीत से सम्बन्धित है, तीनों ग्रन्थों की संगीत सम्बन्धी विषय सामग्री, किस काल में लिखे गए थे, इन ग्रन्थों को किन ग्रन्थकारों ने लिखा। शुद्धराग, छायालग राग, संकीर्ण रागः– शुद्ध, छायालग, संकीर्ण रागों की परिभाषा, शुद्ध रागों के नाम लिखिए, छायालग रागों के नाम बताईये, संकीर्ण रागों के नामों का उल्लेख करिये, शुद्ध छायालग संकीर्ण राग वर्गीकरण किस काल में प्रचलित था। तालः– तीनताल, एकताल, चौताल, रुपक ताल, झपताल, धमारताल, दादरा, कहरवा, उपरोक्त सभी तालों का सम्पूर्ण परिचय, मात्रा, विभाग, ताली, खाली, उपरोक्त ताले किन गायन शैलियों के साथ बजाई जाती है, उपरोक्त तालों की थाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन में लिखना । संगीत का इतिहासः– वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक, मध्यकाल से आधुनिक काल तक संगीत का इतिहास, आधुनिक काल में संगीत के क्षेत्र में सम्भावनाएं।

B)	गतः—गत की परिभाषा, गत के प्रकार, गत की विशेषताएँ। झालाः— झाला की परिभाषा और विशेषताएँ, झाला की लय। तानः— तान की परिभाषा, तान के प्रकार। लक्षणगीतः—लक्षणगीत की परिभाषा तथा विशेषताएँ एवं भाग, वादकों के गुणों का वर्णन किजिए, वादकों के अवगुणों का वर्णन कीजिए, भविष्य में संगीत क्षेत्र में सम्भावनाएँ, मध्यकाल भारतोय संगीत का स्वर्णयुग क्यों कहा गया, निखिल बैनर्जी और देबू चौधरी का जीवन परिचय तथा संगीत जगत में योगदान, विलायत खां का जीवन परिचय तथा संगीत जगत में योगदान, सितार की बनावट तथा इनके अंगों का नाम लिखते हुए सितार को सुर में मिलाने का ज्ञान। ध्वनिः—ध्वनि की विशेषता, तारता, तीव्रता, गुण। संगीतः— संगीत की परिभाषा(गायन,वादन,नृत्य), संगीत के प्रकार(शास्त्रीय संगीत, अर्ध शास्त्रीय संगीत), शास्त्रीय संगीत की गायन शैलियों के नाम, अर्धशास्त्रीय संगीत की गायन शैलियों के नाम, रविशंकर जी का जीवन परिचय और इनका संगीत के क्षेत्र में योगदान, अन्नपूर्णा देवी जी का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान के बारे में लिखिए, राष्ट्रीय गान कब और किसने लिखा, उत्तर भारतीय संगीत स्वरलिपि पद्धति व इसका महत्त्व, 'वैष्णव जन को पीर पराई' भजन किसने लिखा, संगीतकार की परिभाषा तथा विशेषताएँ।
C)	परिभाषाएंः—उठान, पेशकार, चक्करदार जरब, काल, क्रिया, अंग, रेला, आमद, मोहरा, तिहाई, टुकड़ा कायदा, तिहाई, परन, जाति। तबले का दिल्ली घरानाः—तबले के दिल्ली घराने का उद्‌गम संस्थापक तथा प्रतिनिधित्व, शिष्य परम्परा, दिल्ली घराने की वादन विशेषताएँ। वाद्यों का वर्गीकरणः—वाद्यों की परिभाषा तथा वर्गीकरण, तत वाद्य, धन वाद्य, सुषिरवाद्यों, अवनद्य वाद्यों की विशेषता, तत, धन, अवनद्य, सुषिर वाद्यों के नाम। लयः— लय की परिभाषा, लय के प्रकार,तराना, ध्रुवपद, विलम्बित ख्याल, द्रुत ख्याल कौन—2 सी लय में गाए—बजाए जाते हैं। तालः— ताल की परिभाषा, ताल के 10 प्राणों का विस्तृत अध्ययन। जीवन परिचयः— जाकिर हुसैन, अल्ला रक्खा खाँ, किशन महाराज, उस्ताद अहमद जान थिरकवा। पखावजः—पखावज की संरचना और सुर में मिलाने का ज्ञान। तालों का तुलनात्मक अध्ययनः—चारताल—एकताल, झपताल—सूलताल, तीनताल—तिलवाडा ताल। तबलाः— तबले का उद्‌भव, तबला मिलाने की विधि, तबले के विभिन्न अंग व बोलों की जानकारी। लयकारियाँः—लयकारी की परिभाषा, लयकारी के प्रकार(दुगुन,तिगुन,चौगुन, आड, बिआड़, कुआड लयकारियों में कितनी मात्राओं का प्रयोग किया जाता है। ताल की पहचानः—तीलताल, झपताल,चारताल, धमार, एकताल, रुपक ताल में दिए गए बोल समूह से ताल को पहचानना, किसी भी एक ताल में तिहाई और परन लिखने की क्षमता। वाद्यों की जानकारीः— सरोद, वायलिन, दिलरुबा, इसराज, बाँसुरी, मेडोलिन, गिटार, सांरगी आदि वाद्यों की बनावट का अध्ययन। चक्करदार टुकड़ा और चक्करदार परन में अन्तर, नाट्‌यशास्त्र में वर्णित आंकिक, ऊर्ध्वक तथा आलिग्य अवनद्य वाद्यों का ज्ञान, दक्षिणी भारतीय ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन, कुदऊँ सिंह (पखावज घराना) का जीवन परिचय, तथा संगीत जगत में योगदान, अन्तर बताईयेः—

	ताली–खाली, दुगुन–दो आर्वतन, तिगुन–तिहाई, लय–लयकारी, तबला के विभिन्न घरानों का संक्षिप्त वर्णन एवं शिष्य परम्परा, पखावज के विभिन्न घरानों का संक्षिप्त वर्णन एवं शिष्य परम्परा। विषय से संबंधित शिक्षाशास्त्र।

नोटः– एचटीईटी स्तर–III (पोजीटी) के लिए प्रश्नों का कठिनाई स्तर स्नातकोत्तर स्तर के मानक तक होगा।

विषयः– लेवल–III (पोजीटी) के लिए प्रश्न हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं के निर्धारित पाठ्यक्रम के विषयों पर आधारित होंगे।